वर्ष-14 - अंक 126
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार, 14 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सरस्वती बालिका विद्यालय में छात्र परिषद का किया..... 3 | स्वतंत्रता दिवस : केवल उत्सव का दिन ही नहीं, आत्मपरीक्षण का ..... 4 | अरुणाचली उपद्रवियों की 48 घंटे में गिरफ्तारी की मांग, टीएमपीके ने मंत्री के 08

नांदेड़ हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सुखबीर बादल के स्वास्थ्य की ली जानकारी

हरसिमरत कौर बादल से फोन पर की बातचीत, महाराष्ट्र सरकार ने हमले की गहन जांच के दिए निर्देश

नांदेड़(एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुखबीर सिंह बादल के स्वास्थ्य की जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने गुरुवार को सुखबीर सिंह बादल की पत्नी एवं सांसद हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बातचीत की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने सुखबीर सिंह बादल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। हमले की घटना को महाराष्ट्र सरकार ने भी गंभीरता से लिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बातचीत कर सुखबीर सिंह बादल का हालचाल जाना। उन्होंने घटना पर चिंता जताते हुए आश्वासन दिया कि हमले के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के तत्काल बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से सीधे संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मामले की गहन जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की चूक हुई है या नहीं, इसकी भी जांच करने को कहा गया है। उपमुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को हमले के पीछे के कारणों का पता लगाने और घटना में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से बातचीत कर घटना की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने पुलिस को हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने तथा पूरे मामले की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था की भी जानकारी ली। घटना के बाद नांदेड़ में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। महाराष्ट्र के गृह मंत्री योगेश कदम ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने इस मामले में पुलिस के महानिरीक्षक से बातचीत की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि हमले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गृह मंत्री के अनुसार, आरोपी पिछले करीब दो वर्षों से संबंधित गुरुद्वारे में स्वयंसेवक के रूप में काम कर रहा था। उसने धारदार हथियार से सुखबीर सिंह बादल पर हमला किया। हमले के दौरान उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे एक पुलिसकर्मी को भी चोट लगी। पुलिस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सुखबीर सिंह बादल पर जसपाल सिंह नामक व्यक्ति ने गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी में हमला किया। हमले के दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मी इंस्पेक्टर संतोष केंद्रे ने बादल को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान वह भी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हमले में सुखबीर सिंह बादल और पुलिसकर्मी दोनों के हाथों में चोट आई है। घटना के तुरंत बाद दोनों को उपचार के लिए यशो साई अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद नांदेड़ पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। गुरुद्वारे और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारी पूरे घटनाक्रम की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर हमले के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

मानसून सत्र राहुल गांधी के अहंकार की वजह से बाधित हुआ : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया है कि उनकी वजह से सदन की कार्यवाही लगातार बाधित रही और पूरा सत्र ही प्रभावित हुआ। उन्होंने नेता विपक्ष को अहंकारी बताया और कहा कि वे सिर्फ अपने अनुसार, सदन को चलाना चाहते हैं। लेकिन, सदन किसी की मर्जी से नहीं, नियमों के अनुसार संचालित होता है। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान जो भी चर्चाएं होनी थीं और जो भी सार्थक काम हो सकता था, वह नहीं हो पाया। बिल पास हुए, लेकिन वह एक अलग बात है। पूरा सत्र सिर्फ एक व्यक्ति के अहंकार की वजह से बाधित हुआ। अगर आप इस तरह संसद के कामकाज में बाधा डालते हैं, तो यह अहंकार के अलावा और कुछ नहीं है। पहले वे मांग करते हैं, और जब सरकार उसे मान लेती है, तो वे पीछे हट जाते हैं। लगभग एक हफ्ते पहले, हम सब साथ बैठे थे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद में कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री जवाब देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री के जवाब देने के लिए तैयार होने के बाद भी, उन्होंने इसे नहीं माना। जब केंद्रीय गृह मंत्री ने खुद कहा कि वह जवाब देने के लिए तैयार हैं, तो फिर से राहुल गांधी ने अपनी बात बदल दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस्तीफा मांगने वाले राहुल गांधी झारखंड के मुद्दे पर इस्तीफा क्यों नहीं मांगते, वहां चुप्पी क्यों साध लेते हैं? राहुल गांधी सिर्फ चुनिंदा मुद्दों पर ध्यान देते हैं और अहंकारी हैं, वे चाहते हैं कि संसद ठीक उनकी मर्जी के मुताबिक चले और वह सरकार के संवैधानिक ढांचे की परवाह न करें। जनता से 95 बार नकारे जाने के बावजूद, कांग्रेस नेता अपनी बार-बार की नाकामियों से सीखने को तैयार नहीं दिखते। उनका व्यवहार निंदनीय है और संसदीय लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह है। टीडीपी सांसद कृष्णा प्रसाद टेनेटी ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मैं खुश नहीं हूं, मानसून सेशन वाशआउट हो गया है। यह सच है कि हमने 15 या उससे ज्यादा बिल पास किए हैं, लेकिन ये बिल कैसे पास हुए? क्या उन पर कोई चर्चा हुई? क्या उन पर कोई बहस हुई? लोकतंत्र में सभी को मौका दिया जाता है कि वह चर्चा में भाग ले। लेकिन, विपक्ष तो भागने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाता है। इस 18वीं लोकसभा में बहुत सारे महिला सदस्य हैं, 281 पहली बार चुन कर संसद आए, वे अपने क्षेत्र के मुद्दों पर बोलना चाहते थे। लेकिन, विपक्ष की वजह से बोलने का मौका नहीं मिला। इसी बीच, वंदे मातरम गायन को लेकर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि वंदे मातरम हमारा राष्ट्रीय गीत है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे लिखा था, और जब हमारा देश आजाद हुआ, तो इसे राष्ट्रीय गीत के तौर पर अपनाया गया और पूरा गाया गया। लेकिन समय के साथ, कांग्रेस सरकारों के दौरान, वंदे मातरम को हिस्सों में बांट दिया गया और सिर्फ इसका पहला पद ही गाया जाने लगा। आज हमें पीएम मोदी का शुक्रिया अदा करना चाहिए, जिन्होंने वंदे मातरम के पूरे वर्जन को बहाल करने के लिए एक अध्यादेश और बिल पेश किया।

संक्षिप्त ख़बरें

सिकरी धार सीमेंट प्लांट जल्द धरातल पर उतारे सरकार : डॉ. राजीव भारद्वाज

शिमला। भाजपा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने चंबा जिले के चुराह विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से विचाराधीन सिकरी धार सीमेंट प्लांट परियोजना को जल्द शुरू करने की मांग उठाई है। उन्होंने संबंधित केंद्रीय उद्योग मंत्री का ध्यान इस परियोजना की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि सिकरी धार सीमेंट प्लांट चंबा जैसे आकांक्षी जिले के आर्थिक विकास और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि परियोजना को लेकर पूर्व में निविदा प्रक्रिया भी आयोजित की गई थी, लेकिन किसी कंपनी द्वारा निविदा नहीं लिए जाने के कारण यह आगे नहीं बढ़ सकी। इसके पीछे सड़क संपर्क और बेहतर कनेक्टिविटी की समस्या प्रमुख कारणों में रही है। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण परियोजना को गति देने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार को मिलकर आवश्यक कदम उठाने चाहिए। भाजपा सांसद ने कहा कि चंबा भौगोलिक दृष्टि से कठिन परिस्थितियों वाला आकांक्षी जिला है। यहां औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के पर्याप्त अवसर सीमित हैं। ऐसे में सिकरी धार सीमेंट प्लांट जैसी बड़ी परियोजना क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी 5 सितंबर को करेंगे राज्यव्यापी हड़ताल

रोहतक। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को प्रदेश के सभी डिपो में कर्मचारियों ने दो घंटे का विरोध प्रदर्शन किया। इसी क्रम में रोहतक डिपो में भी कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर महाप्रबंधक को परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि परिवहन मंत्री की ओर से मांगों पर बातचीत का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक बैठक नहीं बुलाई गई है। इससे कर्मचारियों में भारी रोष है। रोहतक डिपो में प्रदर्शन की अध्यक्षता सुरेश नेहरा, संदीप सिंघवा, सुमेश कुंडू, जोगिंद्र ढुल और मंजीत करोर ने की। कार्यक्रम का संचालन नरेश सांगवान, मंजीत दलाल और जयभगवान चालक ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मोर्चा नेताओं जगदीप लाठर, वीरेंद्र सिंघरोहा, दिनेश हुड्डा, ओम डाबोदा सहित वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि परिवहन मंत्री कर्मचारियों से किए गए वादे पर अमल नहीं कर रहे हैं।

छात्रों के मुद्दों पर मिलकर लड़नी होगी लड़ाई, सामूहिक छात्र संघर्ष समिति का गठन हो: दिग्विजय चौटाला

भिवानी(एजेंसी)। हरियाणा में विद्यार्थियों की आवाज बुलंद करने के लिए जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने नई कवायद शुरू की हैं। वे छात्र राजनीति से जुड़े सभी संगठनों को एकजुट करने की कोशिश में जुट गए हैं। दिग्विजय ने कहा कि विद्यार्थियों के विषयों पर सभी को मिलकर सरकार के खिलाफ लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन से यह सीखना चाहिए कि जब सभी छात्र संगठन एक मंच पर एकजुट हुए तो भाजपा सरकार को झुकना पड़ा और छात्रों के मुद्दों पर युवाओं की ऐतिहासिक जीत हुई। भिवानी में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता के दौरान दिग्विजय चौटाला ने आह्वान करते हुए कहा कि छात्रों के मुद्दों को लेकर सामूहिक छात्र संघर्ष समिति का गठन होना चाहिए और इसके लिए वे सभी छात्र संगठनों से बातचीत करेंगे। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि आज देश की दिशा व दशा को जैन-जी बदल सकते है और ऐसे में जेजेपी की छात्र इकाई इनसो ने सामूहिक छात्र संघर्ष समिति के माध्यम से एनएसयूआई, एसएफआई, एबीवीपी सहित सभी छात्र संगठनों को एक मंच लाने का फैसला लिया है ताकि प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव बहाली, समान फीस के लिए फीस रेगुलेटरी बोर्ड का गठन, टीचिंग व नॉन टीचिंग के खाली पदों को भरे जाने, शिक्षण संस्थानों के भगवाकरण पर रोक, समय पर परीक्षा परिणाम घोषित होने सहित अनेक मांगों को छात्र हित में पूरा करवाया जा सके। जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि वे खुद एमए राजनीति शास्त्र के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र हैं। वे खुद अपने विश्वविद्यालय की हर कक्षा, कैंटीन व प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जाकर ऐसे लोगों का नेतृत्व तैयार करेंगे, जो प्रदेश में छात्र हितों के लिए आगे बढ़े तथा छात्रों की मांगें पूरी होने तक इसे आंदोलन का रूप दे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सामूहिक छात्र संघर्ष समिति का नेतृत्व का फैसला सामूहिक संघर्ष समिति बनने के बाद उसके डेलीगेट मेंबर पर निर्भर करेगा और यह नेतृत्व जरूरी नहीं इनसो से जुड़ा कोई नेता हो, अन्य दलों की छात्र इकाई का भी हो सकता है।

सुखबीर बादल पर हमले की पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने की कड़ी निंदा

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सुखबीर सिंह बादल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि लोकतंत्र और सभ्य समाज में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। पवित्र धार्मिक स्थल पर हुई ऐसी घटना बेहद दुखद, चिंताजनक और निंदनीय है। केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब की पवित्र धरती शांति, सेवा, चिंतन और सर्वकल्याण का संदेश देती है। ऐसे पवित्र स्थल पर हिंसा की घटना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि सुखबीर सिंह बादल पर हमले की खबर बेहद परेशान करने वाली है और वह उनके शीघ्र स्वस्थ होने तथा मनोबल के मजबूत बने रहने की कामना करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में विचारों के मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मतभेदों को हिंसा का रूप देना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। तख्त साहिबान की धरती पर हिंसा की घटना विशेष रूप से गंभीर है और ऐसी घटनाओं को लेकर समाज को एकजुट होकर स्पष्ट संदेश देना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने थामा तिरंगा, जोश के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा

जयपुर(एजेंसी)। विद्याधर नगर विधानसभा में गुरुवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निकली भव्य तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सन एंड मून से मुरलीपुरा सर्किल तक आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल होकर आमजन के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा थामे बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, भाजपा कार्यकर्ता और आमजन उत्साह के साथ शामिल हुए। 'भारत माता की जय' के जयघोष और लहराते तिरंगों से माहौल पूरी तरह देशभक्ति में नजर आया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, जवानों के बलिदान और करोड़ों भारतीयों के सपनों का प्रतीक है। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और 'हर घर तिरंगा' अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

असम-अरुणाचल राजमार्ग पर पत्थरबाजी से सीमा पर तनाव बढ़ा

गुवाहाटी(एजेंसी)। हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना के बाद जारी आर्थिक नाकाबंदी के पत्थरबाजी में तब्दील होने से असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर गुरुवार को भी तनाव बना रहा। दोनों पक्षों के प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में पुलिस और सीआरपीएफ जवान फंस गए। 10 अगस्त को हुई गोलीबारी की घटना के बाद मिसिंग और गालो समुदायों के बीच तनाव बढ़ने से असम के धेमाजी जिले और अरुणाचल प्रदेश के निचले सियांग के कुछ हिस्सों में स्थिति संवेदनशील बनी रही। यह घटना धेमाजी के गेरुकामुख पुलिस स्टेशन के गोगमुख राजस्व सर्कल के अंतर्गत अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित मिंगमांग बस्ती में हुई। गोलीबारी में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह गोलीबारी अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम की जमीन पर कथित अतिक्रमण को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। इस घटना के बाद, ताकाम मिसिंग पोरिन केबांग (टीएमपीके) ने 12 अगस्त से अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकाबंदी शुरू कर दी, जिससे दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच कई स्थानों पर आवागमन बाधित हो गया। नाकाबंदी का सबसे अधिक प्रभाव सिलपाथर-लिकबाली राजमार्ग पर पड़ा है, जहां गुरुवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा कथित तौर पर पत्थरबाजी करने के बाद तनाव और बढ़ गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों समेत सुरक्षाकर्मियों को भी निशाना बनाया गया। आंदोलन के तहत अरुणाचल प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली गाड़ियों को कई प्रवेश बिंदुओं पर रोका गया है। टीएमपीके ने मिसिंग मिमाग केबांग (एमएमके) और ताकम मिसिंग महिला केबांग (टीएमएमके) के साथ मिलकर गोलीबारी में कथित तौर पर शामिल लोगों की गिरफ्तारी और उन्हें असम पुलिस को सौंपने की मांग की है। इन संगठनों ने असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा विवाद के शीघ्र समाधान और असम क्षेत्र पर कथित अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। प्रशासन ने निवासियों और प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और स्थिति को और बिगाड़ने वाली कार्रवाइयों से बचने की अपील की है। असम और अरुणाचल प्रदेश 804.1 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जिसमें कई क्षेत्र विवादित हैं।

हल्द्वानी की घटना के विरोध में 14 अगस्त को कांग्रेस करेगी जिला स्तरीय मार्च एवं सत्याग्रह

चंडीगढ(एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने हल्द्वानी में कांग्रेस की रैली के स्थल पर गंगाजल से किए गए कथित 'शुद्धिकरण' के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटियों और जिला कांग्रेस कमेटियों को 14 अगस्त की सायं जिला-स्तरीय विशाल मार्च एवं सत्याग्रह आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। हरियाणा में भी इस कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हल्द्वानी की घटना केवल कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान नहीं, बल्कि देश के संविधान और करोड़ों भारतीयों की गरिमा पर हमला है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की जाति अथवा सामाजिक पहचान के आधार पर किसी स्थान को 'अपवित्र' बताकर उसका 'शुद्धिकरण' करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समानता, बंधुत्व, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के संवैधानिक मूल्यों के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि देश में छुआछूत, भेदभाव और सामाजिक विभाजन की मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं है। कांग्रेस ऐसी प्रतिगामी सोच के खिलाफ लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। उन्होंने बताया कि एआईसीसी के निर्देशानुसार प्रत्येक जिला कांग्रेस कमेटी अपने क्षेत्र में 14 अगस्त की शाम विशाल मार्च एवं सत्याग्रह आयोजित करेगी। मार्च महात्मा गांधी अथवा डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा तक जाएगा, जहां कांग्रेसजन भेदभावपूर्ण मानसिकता के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएंगे और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति एकजुटता व्यक्त करेंगे। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों, अग्रिम संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं और सभी स्तरों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह मार्च और सत्याग्रह देश को स्पष्ट संदेश देगा कि कांग्रेस पार्टी और भारत की जनता संविधान द्वारा दिए गए समानता और गरिमा के अधिकार को कमजोर करने वाले किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेगी। संजय दत्त ने कहा कि प्रत्येक जिले में अधिकतम संख्या में कांग्रेसजन इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएंगे। उन्होंने जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों से कार्यक्रम की तैयारियों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कनेक्ट सेंटर एवं कंट्रोल रूम, एआईसीसी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ समन्वय करते हुए प्रत्येक जिले में कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की निरंतर निगरानी और फॉलो-अप करेगा। संजय दत्त ने कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान गरिमा, सम्मान और अधिकार प्रदान करता है। जाति, सामाजिक पहचान या किसी अन्य आधार पर भेदभाव की मानसिकता संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में 440 स्टार्टअप सक्रिय, 18 स्टार्टअप्स को इन-स्पेस से मिली मंजूरी: सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है और निजी कंपनियों तथा स्टार्टअप्स की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद को बताया कि देश में वर्तमान में लगभग 440 स्पेस टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स पंजीकृत हैं। इसके साथ ही भारतीय निजी अंतरिक्ष कंपनियां अगले दो वर्षों के दौरान आठ से अधिक वाणिज्यिक रॉकेट लॉन्च कर सकती हैं, जो देश के उभरते अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर करीब 440 अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े स्टार्टअप्स पंजीकृत हैं। यह संख्या दर्शाती है कि अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचार और निजी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा कि इन-स्पेस यानी भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-एसपीएसीई) ने अब तक 52 गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) को विभिन्न अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए 113 अधिकृत मंजूरियां प्रदान की हैं, जिनमें से 18 कंपनियां स्टार्टअप्स हैं, जिन्हें भारत के बढ़ते निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम का अग्रणी माना जा रहा है। इन स्टार्टअप्स में अग्निकुल कॉसमॉस, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस, ध्रुवा स्पेस, दिगंतारा रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज, गैलेक्सीआई स्पेस सॉल्यूशंस, मनस्तु स्पेस टेक्नोलॉजीज, पिक्सल स्पेस इंडिया, स्काईरूट एयरोस्पेस और स्पेस किड्ज इंडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा अक्षत एयरोस्पेस, अजिस्ता बीएसटी, कॉसमोसर्व स्पेस इंडिया, हेक्स20 लैब्स इंडिया, इनऑर्बिट स्पेस टेलीकम्युनिकेशंस, एनस्पेस टेक इंडिया, ऑर्बिटएड एयरोस्पेस, पियरसाइट स्पेस और टेकमी2स्पेस टेक्नोलॉजीज को भी मंजूरी दी गई है।

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388 वीं जयंती पर कोंच में निकली भव्य शोभायात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)। राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जयंती राठौर समाज की ओर से गुरुवार को धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। कई स्थानों पर जलपान और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। राठौर समाज सेवा समिति कोंच के तत्वावधान में चंदकुआ स्थित श्री अवध बिहारी लाल महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा शुरू हुई। यात्रा स्टेट बैंक, भुंजरया चौराहा, नईबस्ती, रामगंज और सागर चौकी तिराहा होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। यहां हवन-पूजन के बाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे भगवान श्री अवध बिहारी लाल महाराज का विमान समाज के लोग कंधों पर लेकर चल रहे थे। मार्ग में लोगों ने अपने घरों के बाहर खड़े होकर महाराज को पुष्पमाला अर्पित की, तिलक लगाया और आरती उतारी। इसके पीछे राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा लेकर लोग चल रहे थे।

रानी लक्ष्मीबाई समेत विभिन्न महापुरुषों की वेशभूषा में सजे बच्चों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। डीजे, बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर युवा नृत्य करते हुए हाथों में पताकाएं लहरा रहे थे। शोभायात्रा के दौरान नगर का वातावरण उत्साह और देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। शोभायात्रा के समापन के बाद आयोजित गोष्ठी में क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि समाज की उन्नति के लिए बच्चों को शिक्षित करने के साथ उन्हें समाजसेवा के प्रति जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार के माध्यम से ही परिवार, समाज और देश की प्रगति संभव है। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, सपा जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर, बसपा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी आशीष पांडे, पूर्व बार संघ अध्यक्ष विज्ञान विशारद सीरौठिया, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, सपा नेता हिमांशु ठाकुर, फूल सिंह राठौर और श्रीप्रकाश राठौर ने भी राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर के आदर्शों पर चलकर समाज और देश की सेवा करने का आह्वान किया। संचालन रोहित राठौर ने किया। अंत में भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष अनूप राठौर, राठौर समाज सेवा समिति अध्यक्ष राजेश राठौर, राठौर धर्मादा समिति अध्यक्ष रोहित राठौर, धर्मेंद्र राठौर, अंकुर राठौर, पत्रकार राहुल राठौर, दिलीप, शीलू, देवेंद्र, सेठ सौरभ सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और जिलेभर से आए राठौर समाज के लोग मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोतवाली पुलिस शोभायात्रा के दौरान मुस्तैद रही। चंदकुआं में ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष धर्मेंद्र बबेले, मंत्री रंजन गोस्वामी, राघवेंद्र तिवारी, भास्कर दुबे, गौरव तिवारी, गीतेश शर्मा, अमरेंद्र दुबे, मृदुल गौतम, रुचिर नायक और राजेंद्र दुबे सहित अन्य लोगों ने शोभायात्रा में शामिल लोगों का शीतल पेय और मिष्ठान्न से स्वागत किया।

घाटमपुर में गर्भवती दलित युवती की हत्या, आम के बाग में मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर क्षेत्र के पतारा में तीन से चार महीने की प्रेगनेंट एक दलित युवती की हत्या करने के बाद गांव किनारे शव फेक दिया गया,, सुबह शव मिला तों परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की हैं,, सूचना पर घाटमपुर थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड जांच करने पहुंचा, परिवार के लोगों ने प्रेमी पर हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है,, पुलिस की टीमें हत्या केस की जांच में जुटी है,, घाटमपुर के पतारा में रहने वाले राजेंद्र सोनकर राज मिस्त्री हैं,, राजेंद्र ने बताया कि घर में पत्नी सुमन अपने सात बच्चों के साथ रहतीं हैं,,सुमन ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी रेनू 24 वर्ष चार महीने पहले अपने प्रेमी के साथ घर से बग़ैर बताए चली गई थी,, दोनों के बीच झगड़ा हुआ, और एक महीने पहले वह वापस घर लौटी, तों तीन महीने की प्रेगनेंट थी, इसके बाद वह फिर किसी दूसरे युवक के साथ घर से चली गई आज गुरूवार सुबह गांव के बाहर युवती के घर से करीब 500मीटर दूर आम के बगीचे में युवती का शव पड़ा हुआ मिला, मुंह से झाग निकल रहा था,, गांव के लोगों की सूचना पर मां सुमन ने मौके पर पहुंचकर शिनाख्त की और परिवार में कोहराम मच गया,, सूचना पर घाटमपुर थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे,,युवती के बरामद मोबाइल फोन से पुलिस जांच में जुटी है,, थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि परिवार के लोग पहले प्रेमी और दूसरे प्रेमी का नाम व पहचान नहीं बता पा रहे हैं प्रेमी पर हत्या कर शव फेके जानें का आरोप लगाया है, मोबाइल को कब्जे में ले कर कॉल डिटेल निकाली जा रही है , जल्द ही हत्या का केस दर्ज कर जल्द ही खुलासा किया जाएगा, हत्या के आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद – जिलाधिकारी ने कहा कि मैं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का ''हर घर तिरंगा'' अभियान में उनकी सहभागिता के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। स्वयं सहायता समूह की दीदीयो ने जिस समर्पण और देशभक्ति के साथ राष्ट्र ध्वज तिरंगे का निर्माण किया है, उससे संपूर्ण जिले में राष्ट्र प्रेम की नई अलख जगी है, यह न केवल आर्थिक स्वावलंबन की ओर बड़ा कदम है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का सबसे जीवांत उदाहरण भी है। जिलाधिकारी ने कहा कि रक्षाबंधन एवं आगामी त्योहारों के इस पावन अवसर पर फिरोजाबाद पुलिस और जिला प्रशासन आप सभी बहनों को पूर्ण सुरक्षा, सम्मान और सौहार्दपूर्ण वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, आपके द्वारा पुलिस कर्मियों को बांधा गया रक्षा सूत्र केवल एक परंपरा नहीं बल्कि जन सेवा, कर्तव्य, निष्ठा और आम जनता की सुरक्षा के प्रति हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। आप सभी बहनों से अनुरोध है कि समाज में हर नागरिक को राष्ट्रध्वज फहराने और आजादी के महापर्व से गर्व से जोड़ने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने अंत में कहा कि जब हमारी महिला शक्ति आत्मनिर्भर बनती है, तो पूरे समाज और राष्ट्र प्रगति की राह पर अग्रसर होता है, आपकी यह मेहनत और देशभक्ति हमारे लिए मिसाल है। इस संपूर्ण कार्यक्रम को सुव्यस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी और डी0 सी0 एन0 आर0 एल0 एम0 तूलिका श्रीवास्तव का धन्यवाद ज्ञापित किया, जिलाधिकारी ने कहा कि इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रविशंकर प्रसाद का विशेष योगदान रहा उनको भी धन्यवाद देता हूं।

.रिछोला धाम में निकाली गई तिरंगा यात्रा

बरेली/ सतगुरु जी महाराज के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को अनन्त सुखराम जी ट्रस्ट शाखा, रिछोला धाम के तत्वावधान में ग्राम रिछोला ताराचंद से भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा ग्राम रिछोला ताराचंद से रामद्वारे से प्रारंभ होकर ग्राम रिछोला ताराचंद में पूरे गांव में निकाली गई आसपुर होते हुए वापस रामद्वारे पर समाप्त हुई। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और देशभक्ति गीतों के साथ बच्चे एवं सभी सहभागी राष्ट्रप्रेम और उत्साह से ओत-प्रोत होकर झूमते हुए तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। संपूर्ण यात्रा देशभक्ति, एकता और राष्ट्रगौरव की भावना के साथ अत्यंत धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान मुख्य कार्यकर्ता रामलाल टाक , प्रताप सिंह , पातीराम , नारायण दास , ग्राम प्रधान मो.खुर्शीद, पूर्व प्रधान ओमकार सिंह , आचार्य ब्रजपाल , ग्राम प्रधान आसपुर एवं समस्त रामस्नेहीगण, मातृशक्ति, पुरुष, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के छात्र -छात्राएं , स्टाफ मौजूद रहा।

राजश्री आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के बी.ए.एम.एस प्रथम वर्ष का परीक्षाफल रहा शत-प्रतिशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। राजश्री आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली के बी.ए.एम.एस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालयीय परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच खुशी का माहौल रहा। संस्थान के चैयरमेन राजेन्द्र अग्रवाल ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बी.ए.एम.एस प्रथम वर्ष में सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें शत-प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा एवं मेहनत का परिचय दिया। महाविद्यालय में छात्रा खुशनुमा ने 1194 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रेहाना खातुन ने 1193 अंक के साथ द्वितीय एवं श्रेष्ठा सिंह ने 1181 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र सिंह रावत ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के शिक्षक, डा. पुनीत शर्मा, डा. नीतू सिंह, डा. अंकित सक्सेना, डा. मुकेश सैनी, डा. अंकित चांडक, डा. संदीप रंधावा एवं नितिन कुमार ने भी विद्यार्थियों को भविष्य में इसी प्रकार मेहनत करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्रबंधन निदेशक रोहन बंसल ने कहा छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के सापेक्ष अच्छा रहा अतः छात्रों को और मेहनत करके आगे आना चाहिए तथा उन्होने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने संस्था के चैयरमेन राजेन्द्र अग्रवाल, डीन डाक्टर साकेत अग्रवाल एवं रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी के सतत प्रयास एवं सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज के विरोध में, एबीवीपी ने किया सरकार का पुतला दहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कानपुर महानगर द्वारा झारखंड में विद्यार्थियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आज छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (कानपुर विश्वविद्यालय) के मुख्य द्वार पर झारखंड सरकार का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में परिषद के लगभग 250 कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए झारखंड सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की तथा दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने वाले विद्यार्थियों पर बल प्रयोग करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं अस्वीकार्य है। इस अवसर पर प्रांत मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पिछले 78 वर्षों से राष्ट्रहित और छात्रहित के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। झारखंड में विद्यार्थियों पर किया गया लाठीचार्ज लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। किसी भी सरकार का दायित्व विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करना होता है, न कि उनकी आवाज को लाठियों के बल पर दबाना। परिषद इस घटना की घोर निंदा करती है और सरकार से मांग करती है कि लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित विद्यार्थियों को न्याय मिले।

बिना जरूरी कागजों के चल रहा था अस्पताल, एसीएमओ ने छापा मारकर किया सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- झोलाछाप डॉक्टरों और निजी स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अस्पताल चलाने वाले तथाकथित चिकित्सकों एवं अस्पतालों पर जिले का स्वास्थ्य विभाग तेजी से कार्रवाई करता हुआ नजर आ रहा है। वृहस्पतिवार को एसीएमओ ने नगर में बिना कागजों के चल रहे एक अस्पताल को सील कर दिया है जिससे नीम-हकीम टाइप के लोगों में हड़कंप की स्थिति देखने को मिली। एसीएमओ डॉ. अरविंद भूषण ने वृहस्पतिवार को नगर में नदीगांव रोड पर स्थित एक कॉम्पलेक्स की दूसरी मंजिल पर खुले डॉ. पूनम अलीगढ़ वाली नाम के अस्पताल पर छापा मारा। छापे के दौरान अस्पताल खुला हुआ मिला और कथित महिला डॉक्टर भी मौके पर मौजूद मिली। एसीएमओ ने अस्पताल संचालन से जुड़े अभिलेख मांगे तो मौके पर कोई भी अभिलेख उक्त तथाकथित महिला डॉक्टर नहीं दिखा सकी। एसीएमओ ने इसे गंभीर मामला मानते हुए अस्पताल सील कर दिया। कार्रवाई को लेकर एसीएमओ ने बताया कि इससे पहले भी अस्पताल की जांच के लिए कई बार आया लेकिन हमेशा अस्पताल बंद मिला, आज अस्पताल खुला हुआ पाया गया। बगैर आवश्यक अभिलेखों के अस्पताल संचालन की जांच की जा रही है जिसके बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भारतीय किसान यूनियन की तिरंगा यात्रा ट्रेक्टर से लगे देशभक्ति के नारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलडिया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आज किसानों ने विशाल ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली ट्रैक्टर यात्रा ब्लॉक परिसर से शुरू होकर मेन चौराहे होते हुए जावेद पुलिया से होते हुए ब्लाक परिसर में समाप्त हुई तिरंगा यात्रा में दो दर्जन ट्रैक्टर और सैकड़े किसान देशभक्ति नारे लगाते चल रहे थे तिरंगा यात्रा के समापन के बाद किसानों ने प्रांतीय नेतृत्व की आह्वान पर 16 सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी के अनुपस्थिति में ए डी ओ समाज कल्याण को सौंपा। इस दौरान किसानों ने खंड विकास अधिकारी के मुख्यालय ना होने पर जोरदार हंगामा काटा किसानों का कहना था कि हमारा ज्ञापन बी डी ओ या ए डी ओ पंचायत में से कोई एक अधिकारी लेने आए हम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को ज्ञापन नहीं देंगे इस दौरान किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष फतेहगंज गंगवार जिला प्रभारी चंद्रप्रकाश पप्पू भारतीय किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष हीरालाल गंगवार ब्लॉक अध्यक्ष हीरालाल वर्मा। किसान यूनियन के तहसील संयोजक हरदेव सिंह रंधावा सरदार करतार सिंह मुनीष पाल सूर्य प्रकाश पूरनलाल राम रतन मनोहर लाल गंगबार बेगराज नेता जयपाल सिंह प्यारेलाल ओमपाल समेत सैकड़ो किसान तिरंगा यात्रा में मौजूद रहे सुरक्षा की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह पुलिस फोर्स के साथ तिरंगा यात्रा में मुस्तैद रहे।

जर्जर पुलिया और गड्ढों से बढ़ी परेशानी, बारिश में बंद होने के कगार पर नकटी-सिलरा मार्ग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलडिया। नकटी नारायणपुर से सिलरा नवदिया गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बनी वर्षों पुरानी पुलिया अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। पुलिया के साथ ही खड़ंजे पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो जाने से राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है। छोटे वाहनों के साथ ही बाइक सवारों को भी आए दिन गिरकर चोटिल होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही पुलिया के पास पानी भर जाता है और गड्ढे दिखाई नहीं देते। इसी कारण कई बार बाइक सवार गिरकर घायल हो चुके हैं। स्कूली बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं। अगर इस बार बारिश अधिक हुई तो यह रास्ता पूरी तरह बंद हो जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिया क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में सिलरा और नवदिया गांव के हजारों लोगों को आने-जाने के लिए करीब 6 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। उन्हें सिठौरा होते हुए नकटी नारायणपुर पहुंचना होगा, जिससे समय और पैसा दोनों बर्बाद होगा। मरीजों को अस्पताल ले जाने और आवश्यक सामान लाने में भी दिक्कतें बढ़ जाएंगी। ग्रामीणों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से पुलिया के मरम्मत और सड़क पर गिट्टी डालकर गड्ढे भरवाने की मांग की, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन काम नहीं होता। गांवासियों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि बरसात से पहले पुलिया की मरम्मत कराई जाए और सड़क को गड्ढा मुक्त किया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। अन्यथा मजबूरन ग्रामीण आंदोलन करने को विवश होंगे।

लखनऊ -आगरा एक्सप्रेस वे पर बस अनियंत्रित होकर पलटी, 6 घायल

कानपुर। थाना अरौल क्षेत्रांतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर KM 216.900 के पास जयपुर से गोरखपुर जा रही बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बस में कुल 43 यात्री सवार थे, जिनमें 6 यात्रियों को हल्की चोटें आईं। सभी घायलों को उपचार हेतु सीएचसी बिल्हौर भेजा गया, जिसमें एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद हैलेट हॉस्पिटल, कानपुर नगर रेफर किया गया। पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई तथा यातायात सुचारू करा दिया गया है। मौके पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

मेहंदी प्रतियोगिता में विजयी छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

बरेली/क्योलडिया। नगर के गोल्डन पब्लिक स्कूल में आज मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग की -छात्राओं ने भाग लिया जूनियरवर्ग में मंतशा प्रथम आदिती प्रथम शिखा प्रथम आल मीन द्वितीय तूबा कुसुम द्वितीय शिवानी तृतीय शगुन तृतीय भावना तृतीय स्थान पर रही सीनियर वर्ग में पायल प्रथम तृप्ति प्रथम पूनम प्रथम द्वितीय अनम अंसारी। पूनम द्वितीय स्थान पर रहे विजयी प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य नजमुल हसन अंसारी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया इस दौरान मुकेश कुमार मोहम्मद फुरकान महेश चंद्र तिलक राम सत्यभामा रजनी रोशनी मैनाज समेत समस्त स्टाफ मौजूदरहा।

टूण्डला में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा नगर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को नगर टूण्डला में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में लोग यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ दीपा के चौराहा से हुआ, जिसके बाद यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा के नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। युवाओं, जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। यात्रा में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर नगरवासियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया। जगह-जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों और नारों से पूरा नगर राष्ट्रभक्ति के माहौल में सराबोर रहा। वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा केवल देश का ध्वज नहीं, बल्कि भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान की याद दिलाता है, जिनके संघर्ष के कारण देश को आजादी मिली। उन्होंने नागरिकों से देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने तथा राष्ट्रहित में अपना योगदान देने का आह्वान किया। भव्य तिरंगा यात्रा के समापन पर सभी ने देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए संकल्प लिया। नगर में निकली इस यात्रा को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरा टूण्डला 'हर घर तिरंगा' तथा राष्ट्रभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि रजनीकांत माहेश्वरी, एमएलसी, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, टूण्डला विधायक प्रेमपाल धनगर, नगर पालिका अध्यक्ष भंवर सिंह, जिला मंत्री दिनेश गुप्ता, आकाश शर्मा, नगर अध्यक्ष आजाद जैन, अंकित शर्मा, दीपक चौधरी, नरेंद्र त्यागी, जुबिन भारद्वाज, योगेंद्र चौहान, दीपक ठेनुआ, हरीश चौधरी, सुनील पाठक, हनुमंत बघेल, सचिन जैन, सुशील चक, ब्लॉक प्रमुख नारखी, सतीश बघेल, ब्लॉक प्रमुख टूण्डला, जितेन्द्र शर्मा, अनिल चौधरी, नीलम दिवाकर, महेश बघेल एवं गिरबर निषाद, महेन्द्र झा, विजय सहित अनेक गणमान्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उर्वरक वितरण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई : मुख्य सचिव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ सीजन में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण, आर्द्रभूमि अधिसूचना, रामसर स्थलों तथा प्रदेश में बाढ़ की स्थिति और राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। खरीफ सीजन में उर्वरक की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि सभी समितियों एवं वितरण केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध रहना चाहिए। जिन समितियों में उर्वरक का भंडार शून्य अथवा बहुत कम है, उनकी विशेष निगरानी करते हुए आवश्यकता के अनुसार तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक जनपद में अपर जिलाधिकारी अथवा मुख्य विकास अधिकारी से अनिम्न स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर उन्हें नजदीकी समिति से जोड़ने की वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाए। मुख्य सचिव ने मुख्य विकास अधिकारियों को प्रतिदिन तथा जिलाधिकारियों को साप्ताहिक स्तर पर उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि उर्वरक की अधिक कीमत वसूलने अथवा अनधिकृत रूप से किसी अन्य वस्तु के साथ जोड़कर बिक्री करने की शिकायत किसी भी स्थिति में नहीं मिलनी चाहिए। ऐसी शिकायत सामने आने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आर्द्रभूमि को अधिसूचित किए जाने की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि झांसी, गौतमबुद्ध नगर, गोंडा और बलिया से अभी तक आर्द्रभूमि अधिसूचना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर मुख्य सचिव ने संबंधित जिलाधिकारियों को जिला स्तरीय आर्द्रभूमि समिति की बैठक तत्काल आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित जिले प्रस्ताव इसी माह के अंत तक विभाग को भेजना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही रामसर स्थलों के लिए पात्र स्थलों को चिह्नित कर उनके प्रस्ताव भी शीघ्र विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 26 जनपदों में अब तक कुल 101 आर्द्रभूमियां अधिसूचित की जा चुकी हैं, जबकि 45 जनपदों से 53 नए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्य सचिव ने शेष जिलों में भी प्रक्रिया में तेजी लाने और पात्र स्थलों की पहचान कर प्रस्ताव भेजने को कहा। समीक्षा के दौरान प्रदेश में अधिसूचित रामसर स्थलों की जानकारी भी दी गई। प्रदेश में अब तक 13 रामसर स्थल अधिसूचित किए जा चुके हैं। इनमें बुलंदशहर का अपर गंगा रिवर, इटावा की सरसई नावर झील, उन्नाव का नवाबगंज पक्षी विहार, हरदोई का साण्डी पक्षी विहार, रायबरेली का समसपुर पक्षी विहार, गोंडा का पार्वती अरगा पक्षी विहार, मैनपुरी का समान पक्षी विहार, आगरा का सूरसरोवर पक्षी विहार, मुजफ्फरनगर का हैदरपुर वेटलैंड, संतकबीरनगर का बखीरा पक्षी विहार, एटा का पटना पक्षी विहार, अलीगढ़ की शेखा झील तथा बलिया का सुरहाताल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आठ अन्य रामसर स्थलों के प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे जा चुके हैं। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को पात्र स्थलों से संबंधित प्रस्तावों की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ की स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा की जाए और प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाए। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को समय से चिकित्सा सुविधाएं, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव दल सक्रिय रहें और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में प्रशासन की तत्परता सबसे महत्वपूर्ण है। प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिलाधिकारी स्वयं राहत एवं बचाव कार्यों की नियमित समीक्षा करें और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित कराएं।

सरस्वती बालिका विद्यालय में छात्र परिषद का किया गया गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। सरस्वती बालिका विद्यालय में छात्र परिषद का गठन किया गया जिसमें स्कूल के सभी हाउस (अरावली, शिवालिक , हिमाद्री , नीलगिरी)के हाउस कैप्टनो का चुनाव किया गया तथा विद्या लय के दो कैप्टन नियुक्त किए गए 1- अरावली हाउस में छात्रा सहज प्रीत (कक्षा 11), शिवन्या (कक्षा 11-C) एवं पूर्णिमा (कक्षा 11-C) को कैप्टन नियुक्त किया गया 2- शिवालिक हाउस में छात्रा साम्भवी, अनुग्या एवं रुपांशी को कैप्टन के पद पर नियुक्त किया गया। 3- हिमाद्री हाउस में छात्रा हर्षी रस्तोगी (कक्षा 9), चहक (कक्षा 9) एवं ज़ोया (कक्षा 9) को हाउस कैप्टन चुना गया। को कैप्टन के पद पर चयनित किया गया। 5- विद्यालय कसान छात्रा शौर्या तिवारी एवं जानवी को विद्यालय कैप्टन के पद पर नियुक्त किया गया। जबकि अविका श्रीवास्तव (कक्षा 12) को विद्यालय वाइस कैप्टन के पद पर नियुक्त किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी जी एवं सभी हाउस के कैप्टन टीचर द्वारा सभी हाउस के कसानों को पटका पहनाकर तथा उनके दायित्वों को सौंपा तथा उनको आगामी सत्र में अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया ,तथा सभी नियुक्त कसानों को बधाई दी। इस अवसर पर सभी हाउस के प्रधान शिक्षकों ने अपने-अपने हाउस के कसानों को बधाई दी तथा साथ ही में उन्होंने यह भी बताया कि इससे छात्र-छात्राओं को बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा। हर एक्टिविटी में प्रतियोगिता की भावना का विकास होगा जिससे सभी छात्र छात्राएं अपने अपने हाउस को जिताने का प्रयास करेंगे वह सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता का प्रतिशत बढ़ेगा। साथ ही बच्चों में सहयोग की भावना का विकास होगा।

रंग रंगीली सावन की तीज' में महिलाओं ने बिखेरी सावन की रंगत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सावन की हरियाली, भारतीय लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित 'रंग रंगीली सावन की तीज-सेलिब्रेशन 2026' समारोह का आयोजन गुरुवार को सेक्टर-एम, आशियाना कॉलोनी स्थित सेलेस्टियल कासा में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती पीयूष श्रीवास्तव एवं उनकी टीम की ओर से किया गया। समारोह में श्रीमती नम्रता पाठक, पत्नी उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में महिलाओं ने हरे और रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में पहुंचकर सावन की पारंपरिक छटा को जीवंत कर दिया। परिसर में हरियाली, झूले, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव का माहौल बनाया। महिलाओं ने पारंपरिक तीज गीतों की प्रस्तुति के साथ सावन के उल्लास को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान गीत-संगीत, झूला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पारंपरिक श्रृंगार और रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने कार्यक्रम में सावन की लोक संस्कृति और परंपरा की खूबसूरत झलक प्रस्तुत की। आयोजकों ने कहा कि सावन की तीज भारतीय लोक संस्कृति में महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखने वाला पर्व है। हरियाली, झूले, लोकगीत, पारंपरिक श्रृंगार और सामूहिक उत्सव इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य इन लोक परंपराओं को आधुनिक परिवेश में भी जीवंत बनाए रखना और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना रहा। समारोह में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पांच 'क्वीन' खिताब प्रदान किए गए। खिताब मिलने पर प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान महिलाओं ने जमकर उत्साह दिखाया। समारोह का समापन उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। उपस्थित महिलाओं ने सावन की तीज के पारंपरिक उत्सव का आनंद लेने के साथ भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं को सहेजने का संदेश दिया।

अतिक्रमण और प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ नगर निगम का सघन अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अतिक्रमण, यातायात अवरोध, गंदगी और प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ नगर निगम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-5, जोन-7 और जोन-8 में एक साथ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सड़क, नाले-नालियों की पटरियों और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों पर जुर्माना लगाया गया। जोन-8 में आशियाना सेक्टर-आई से बंगला बाजार और अर्जुनगंज तक प्रतिबंधित प्लास्टिक, पॉलीथीन, कैरीबैग, डिस्पोजल तथा थर्माकोल से बने गिलास-प्लेट के इस्तेमाल, बिक्री, भंडारण और परिवहन के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान 30 से अधिक दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की जांच की गई। जांच के दौरान गंदगी मिलने पर 17 हजार रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक पाए जाने पर 12 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। अभियान में तीन किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त की गई। कुल 29 हजार रुपये का अर्थदंड नगर निगम कोष में जमा कराया गया। अभियान में जोनल सेनेटरी अधिकारी जितेन्द्र कुमार गांधी, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मो. नईम, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक वीरभद्र सिंह, सत्येन्द्रनाथ और मीरा राव सहित प्रवर्तन दल एवं 296 टीम के सदस्य मौजूद रहे। जोन-5 में लंगड़ा फाटक चौराहे से आलमबाग थाने होते हुए आलमबाग चौराहे की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सड़क किनारे लगाए गए पांच ठेले, चार गुमटी और चार काउंटर हटाए गए। इसके अलावा एक लोहे की जाली और चार लोहे के बोर्ड भी जब्त किए गए। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण करने वालों को दोबारा सार्वजनिक स्थान पर कब्जा न करने की चेतावनी दी। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण के मामले में दो हजार रुपये शमन शुल्क तथा गंदगी और पॉलीथीन के इस्तेमाल पर छह हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। जोन-5 में अभियान जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। कार्रवाई में कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, जोनल सेनेटरी अधिकारी सचिन सक्सेना, राजस्व निरीक्षक रुचि यादव, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सुभाष चौधरी, प्रवर्तन दल और पुलिस बल के सदस्य शामिल रहे। जोन-7 में नाले, नालियों और सड़कों की दोनों पटरियों पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। जोनल अधिकारी विकास सिंह के नेतृत्व में नौबस्ता कला तिराहे के आसपास कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया। अभियान के दौरान चार लोहे के काउंटर, तीन ठेले, चार ठेलिया और पांच गुमटियां हटाई गईं। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमणकारियों को सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा कब्जा न करने की चेतावनी दी। जोन-7 की कार्रवाई में कर अधीक्षक विनय मौर्या, प्रवर्तन दल तथा 296 टीम के सदस्य मौजूद रहे। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नशा उन्मूलन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिधौली/सीतापुर। नशा उन्मूलन अभियान के अंतर्गत श्री गांधी महाविद्यालय सिधौली में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय कुमार वर्मा के नेतृत्व तथा महाविद्यालय के प्राचार्य अजय शुक्ला के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान संगोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। बीए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों मोनिस, धीरज, लवकुश, ऋतु, पूजा विश्वकर्मा और नैन्सी ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान को बताया गया तथा युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ. गोपाल सिंह एवं इतिहास विभागाध्यक्ष रविंद्र सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

बाबू भगवती सिंह स्मृति ट्रस्ट द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। बाबू भगवती सिंह स्मृति ट्रस्ट एवं आयुष विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम देवरी रूखारा के प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयुष विभाग के आयुर्वेदाचार्य डॉक्टर नीरज सोनी एवं डॉ किरण लता रावत के द्वारा आयुर्वेद को बढ़ावा देने तथा मरीज को आयुर्वेद की विधिवत जानकारी दी। विभाग के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियां दी गई। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक समाज सेवी वरिष्ठ कवि योगेश चौहान ने बताया कि अपनी प्राचीन चिकित्सा पद्धति के द्वारा ट्रस्ट के माध्यम से समाज को निरोग रखना तथा आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर पर करना है। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्या कवित्री संध्या त्रिपाठी ने लोगों को जड़ी बूटी की ओर अग्रसर होने का सुझाव दिया । समाजसेवी शैलेन्द्र सिंह एवं रघुराज सिंह के सहयोग से कार्यक्रम विधिवत सम्पन्न हुआ। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज के समय में आयुर्वेद औषधीया ही सभी बीमारियों में प्रभावी है आयुर्वेद की तरफ सभी को बढ़ाना चाहिए। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं समाजसेवी बलबीर सिंह राठौड़ ने चिकित्सक दल, सहयोगियों, एवं सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार धन्यवाद ज्ञापित किया। लगभग 250 से अधिक रोगियों को मुफ्त दवाई और उन्हें उचित सलाह दी गई।

स्टैंड पंखे में उतरे करंट की चपेट में आई महिला की मौत

.....हादसे के बाद इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम, डेढ़ साल के बेटे के सिर से उठा मां का साया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के राजाखेड़ा गांव में गुरुवार दोपहर स्टैंड वाले पंखे में उतरे करंट की चपेट में आने से 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन गंभीर हालत में महिला को इलाज के लिए लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि राजाखेड़ा गांव में स्टैंड वाले पंखे से करंट लगने के कारण एक महिला की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों व परिजनों से घटना की जानकारी ली। मृतका की पहचान गीतारानी पत्नी प्रमोद कुमार, निवासी राजाखेड़ा, के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार दोपहर घर में स्टैंड वाले पंखे के संपर्क में आने से गीतारानी को करंट लग गया। करंट की चपेट में आने के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उसे

मृतका फाइल फोटो - गीता रानी

तत्काल इलाज के लिए लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, गीतारानी की शादी करीब चार वर्ष पहले हुई थी। उसका करीब डेढ़ वर्ष का पुत्र प्रिंस है। मां की अचानक मौत से मासूम बच्चे के सिर से मां का साया उठ गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हादसे के बाद परिजन गंभीर हालत में महिला को इलाज के लिए लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि राजाखेड़ा गांव में स्टैंड वाले पंखे से करंट लगने के कारण एक महिला की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों व परिजनों से घटना की जानकारी ली। मृतका की पहचान गीतारानी पत्नी प्रमोद कुमार, निवासी राजाखेड़ा, के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार दोपहर घर में स्टैंड वाले पंखे के संपर्क में आने से गीतारानी को करंट लग गया। करंट की चपेट में आने के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई।

लाठी-डंडों और लोहे के कड़े से हमला, बचाने पहुंची महिलाओं से भी अभद्रता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में मामूली विवाद को लेकर तीन लोगों ने युवक और उसके बेटे पर लाठी-डंडों व लोहे के कड़े से हमला कर दिया। मारपीट में दोनों घायल हो गए। बीच-बचाव करने पहुंची महिलाओं के साथ भी आरोपियों द्वारा गाली-गलौज और अभद्रता किए जाने का आरोप है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अजीत कुमार शुक्ला पुत्र स्वर्गीय जयकरन नाथ शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उमेश पुत्र सुदर्शन रावत, हिमांशू रावत पुत्र संजय रावत और अभिषेक पुत्र राम खिलावन रावत ने उनके और उनके बेटे दिव्यांशु शुक्ला के साथ लाठी-डंडों और लोहे के कड़े से मारपीट की। आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज करते हुए दोनों को जमकर पीटा, जिससे वे घायल हो गए। शोर सुनकर अजीत की पत्नी और भतीजी मौके पर पहुंचीं और बीच-बचाव करने का प्रयास किया। आरोप है कि इस दौरान हमलावरों ने महिलाओं के साथ भी गाली-गलौज और अभद्रता की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगराम पुलिस ने दो गांजा तस्करों को दबोचा, 16 लाख का गांजा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगराम पुलिस ने अंतरजनपदीय गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से छह बोरियों में रखा कुल 78.330 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त ईको स्पोर्ट कार, दो आईफोन और 12,500 रुपये नकद भी बरामद कर जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी बहराइच से गांजा लाकर लखनऊ सहित आसपास के जिलों में अपने साथियों के माध्यम से ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देश पर अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 13 अगस्त 2026 को नगराम पुलिस टीम नगराम-गंगागंज मार्ग स्थित हुसैनाबाद तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक काले रंग की ईको स्पोर्ट कार को संदिग्ध अवस्था में आते देखा। पुलिस टीम ने कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसमें रखी छह बोरियों से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। गांजे का वजन करने पर कुल 78.330 किलोग्राम निकला। पुलिस ने कार में सवार दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम प्रिंस जायसवाल पुत्र रामप्रकाश जाय सवाल, निवासी ग्राम समेसी तथा अभिजीत पटेल उर्फ सेना पुत्र काशीप्रसाद, निवासी भाटन टोला, कस्बा नगराम बताया। पुलिस के अनुसार दोनों की उम्र क्रमशः 25 और 26 वर्ष है तथा दोनों 12वीं तक शिक्षित हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे एक संगठित गिरोह के माध्यम से गांजा तस्करी करते हैं और बहराइच से कम कीमत पर गांजा खरीदकर लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी समेत आसपास के जिलों में अपने साथियों के जरिए ऊंचे दामों पर बेचते थे। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यह भी बताया कि गांजा तस्करी से होने वाले मुनाफे से उन्होंने ऐशो-आराम की वस्तुएं खरीदी थीं। आरोपियों के पास से बरामद दो आईफोन भी इसी कमाई से खरीदे जाने की बात सामने आई है। वहीं आरोपी प्रिंस जायसवाल ने कथित तौर पर बताया कि उसने गांजा तस्करी और उसकी सप्लाई के लिए ही ईको स्पोर्ट कार खरीदी थी और इसी वाहन से गांजे की खेप एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाई जाती थी। नगराम पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मु0अ0सं0 122/2026, धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

देशभक्ति के रंग में रंगा पॉलीटेक्निक निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। पं0जवाहर लाल नेहरू पॉलीटेक्निक, महमूदाबाद में बुधवार को प्रात: 10 बजे देशभक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत वातावरण में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना रहा।तिरंगा यात्रा का नेतृत्व संस्थान के प्रधानाचार्य सी.पी. त्रिपाठी ने समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ हाथों में राष्ट्रध्वज थामकर किया। इस दौरान उन्होंने देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।यात्रा पॉलीटेक्निक परिसर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कोतवाली एवं रामकुंड चौराहा पहुंची और पुन: पॉलीटेक्निक परिसर में आकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र राष्ट्रप्रेम की भावना से गुंजायमान हो उठा। तिरंगा यात्रा में पॉलीटेक्निक के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सी.पी. त्रिपाठी के साथ चंद्रभान, अजय सिंह, ज्योति कुमार, विजय शंकर, अपेक्षित राज, ब्रज भूषण पाण्डेय, मेराज फातिमा, अंजुम फातिमा, असरा रिजवी, रेशमा, किरण, कमल वर्मा, विनोद मिश्रा, हशमत अली, अंगद त्रिपाठी, राम नारायण, ज्योति वर्मा, धर्मेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह सहित संस्थान के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय

नशा विरोधी अभिनव

यह एक हकीकत है कि बच्चों को जितना अभिभावक और शिक्षक समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। वे बच्चों के असामान्य व्यवहार की निगरानी करके उन्हें बुरी आदतों से बचा भी सकते हैं। शायद यही सोचकर पंजाब सरकार ने राज्य के 12 जिलों में 21,850 स्कूल टीचरों को छात्रों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने के लिये प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। ये शिक्षक प्रशिक्षण के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं और भावनात्मक परेशानी के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर सकेंगे। निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। दरअसल,इस अभियान की सबसे बड़ी खूबी है कि यह नशा-विरोधी अभियान का फोकस नशे की लत लगने के बाद प्रतिक्रिया देने से हटाकर, उसे रोकने की ओर ले जाता है। निस्संदेह, शिक्षक एक अभिभावक जैसी भूमिका में होते हैं, जो बच्चे के व्यवहार, स्कूल में उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई के प्रदर्शन, दोस्ती या भावनात्मक स्थिति में बदलाव को बेहतर ढंग से महसूस कर सकते हैं। दरअसल, शिक्षक कक्षा में छात्र की चुप्पी और क्लास में होते हुए भी वहां न होने जैसे संवेदनशील बदलावों को भांप सकते हैं। लेकिन बच्चों की संवेदनशीलता को देखते हुए शिक्षकों को अनाड़ी जांचकर्ता या काउंसलर बनने से बचना होगा। निर्विवाद रूप से किसी बच्चे का क्लास में चुप-चुप रहना, नंबर कम आना या व्यवहार में बदलाव आना हमेशा नशे से जुड़े कारण से नहीं हो सकता। उससे जुड़े अन्य कारकों पर भी विचार किया जाना जरूरी होता है। दरअसल, इस जटिल समस्या के समाधान के लिये शिक्षकों को संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने, सुनने, बातचीत करने तथा छात्रों को योग्य पेशेवरों के पास भेजने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वास्तव में इस संवेदनशील समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि किसी बच्चे में नशे की ओर उन्मुख होने और उसकी जल्दी पहचान होने पर उसे जल्दी मदद मिल सके। पर ऐसा न हो कि शिक्षक उत्साह में उसकी पहचान उजागर कर दें और उसकी जल्दी बदनामी हो जाए। ऐसा बच्चा कुंठा व हताशा में गलत राह में भटक सकता है। ऐसे में इस अभियान का मानसिक स्वास्थ्य वाला हिस्सा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक हकीकत है कि युवाओं में नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल की समस्या को सिर्फ चेतावनी तथा नैतिक उपदेश देकर दूर नहीं किया जा सकता है। वास्तव में भावनात्मक परेशानी, पारिवारिक समस्याएं, दोस्तों का दबाव, अकेलापन और पढ़ाई का तनाव आदि सभी चीजें बच्चों को जोखिम में डाल सकती हैं। इसलिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही काउंसलिंग और रेफरल की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरकार को भी सिर्फ प्रशिक्षित किए गए शिक्षकों की संख्या के आधार पर सफलता को नहीं मापना चाहिए। दरअसल, उसे यह भी देखना चाहिए कि कितने कमजोर या जोखिम वाले छात्रों की पहचान की गई है। साथ ही उन्हें कहां भेजा गया है। क्या उनकी काउंसलिंग की गई है? क्या बाद में उनका फॉलो-अप किया गया है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के सरकारी कार्यक्रमों के लिये समय देने का दबाव होता है। ऐसे में सावधानी रखनी बेहद जरूरी है कि तमाम प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच ड्रग्स के खिलाफ प्रशिक्षण सिर्फ खानापूर्ति के लिये कागजी कार्रवाई बनकर न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस कार्यक्रम को क्लासरूम से आगे लेकर जाना चाहिए। जिसमें माता-पिता, काउंसलर, हेल्थ प्रोफेशनल और सामाजिक समूहों को एकजुट होकर जोखिम वाले बच्चों के लिये एक सपोर्ट नेटवर्क तैयार करना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस : केवल उत्सव का दिन ही नहीं, आत्मपरीक्षण का पर्व भी बनना चाहिए

लेखकः प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

15 अगस्त वह दिव्य दिवस है जब शताब्दियों की दासता के पश्चात भारत ने पुनः अपने भाग्य का निर्धारण स्वयं करने का अधिकार प्राप्त किया। असंख्य ज्ञात-अज्ञात क्रांतिवीरों के बलिदान, माताओं के अश्रु, युवाओं के रक्त और तपस्वियों के त्याग से सिंचित यह दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, कृतज्ञता और आत्मचिंतन का पर्व है। किंतु आज, जब हम स्वतंत्रता के अस्सी वर्षों के समीप खड़े हैं, तब एक प्रश्न हमारे समक्ष गंभीरता से उपस्थित है—क्या स्वतंत्रता केवल प्राप्त कर लेने की वस्तु है, अथवा उसका संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है? भारत वह भूमि है जिसने वेदों की ऋचाएँ सुनी हैं, उपनिषदों का चिंतन किया है, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा को आत्मसात किया है। यहाँ तक्षशिला और नालंदा ने ज्ञान का सूर्य बनकर विश्व को आलोकित किया है। यह वही राष्ट्र है जिसने गणराज्यों की परंपरा विकसित की, विज्ञान, गणित, चिकित्सा और दर्शन के क्षेत्र में मानवता को अमूल्य योगदान दिया। इसलिए 15अगस्त1947 को हम अपनी राजनीतिक स्वाधीनता की पुनर्प्राप्ति का दिन कहते हैं। इतिहास बताता है कि राष्ट्र केवल बाहरी आक्रमणों से नहीं टूटते; वे तब दुर्बल होते हैं जब उनके भीतर आत्मविस्मृति का अंधकार फैलने लगता है। आज हमारे सामने भी यही चुनौती उपस्थित है। स्वतंत्रता प्राप्ति के दशकों बाद भी वैचारिक उपनिवेशवाद, सांस्कृतिक हीनभावना, ऐतिहासिक विस्मरण और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उदासीनता अनेक रूपों में दिखाई दे रही है - कहीं भाषा के प्रति उपेक्षा है तो कहीं संस्कृति को पिछड़ेपन का पर्याय मानने की प्रवृत्ति। कहीं इतिहास को विकृत दृष्टि से देखने का आग्रह है तो कहीं राजनीतिक स्वार्थ राष्ट्रहित से ऊपर रखकर आतंकी शक्तियों और देश विरोधी ताकतों को सहारा दिया जा रहा है। 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे नारे केवल राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति नहीं हैं; वे उस चेतना पर प्रहार हैं जिसने सहस्राब्दियों से इस राष्ट्र को एक सूत्र में बाँध रखा है। वे क्रांति वीरों की उस वाणी की अवहेलना है जो कहती है - 'इस देश को रखना मेरे बच्चों संभालके '। विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति होती है, पर राष्ट्र की अखंडता पर प्रश्नचिह्न लगाना स्वतंत्रता की मूल भावना के विपरीत है। दुर्भाग्य से कुछ राजनीतिक शक्तियाँ अल्पकालिक लाभ और वोट बैंक की खातिर समाज में विभाजन की रेखाएँ गहरी करती दिखाई देती हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र और संप्रदाय के नाम पर खड़े किए जा रहे कृत्रिम संघर्ष राष्ट्रीय एकात्मता के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

सूचना-विस्फोट के इस युग में युवाओं के सामने तथ्यों से अधिक भ्रम और शोर उपस्थित है। सोशल मीडिया की तात्कालिकता अनेक बार उन्हें इतिहास, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति संतुलित दृष्टि विकसित करने का अवसर नहीं देती। परिणाम हम देख रहे हैं कि अधिकांश युवा स्वतंत्रता को केवल अधिकारों के रूप में देखते हुए उसके साथ जुड़े कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को विस्मृत कर रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों की जागरूकता और निष्ठा में निहित होती है। आज स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, वरन् आत्मपरीक्षण का पर्व भी होना चाहिए। बड़े से बड़े पदों पर बैठे से लेकर आम नागरिक को इस अवसर पर चिंतन और आत्मपरीक्षण करना चाहिए कि 'हम क्या थे, क्या हो गये और आगे क्या होना है?'; 'हमने देश के विकास के लिए क्या किया और हम क्या कर सकते थे जो नहीं कर सके?'। इसीलिए हमारा आग्रह है कि 15 अगस्त को केवल स्वतंत्रता दिवस के रूप में नहीं, 'स्वतंत्रता संरक्षण एवं आत्म मंथन एवं परीक्षण दिवस' के रूप में भी स्मरण किया जाना चाहिए। मेरी दृष्टि में इससे चेतना का जागरण होगा,जो हमें अपनी भूमि, संस्कृति, संविधान, पर्यावरण, इतिहास और राष्ट्रीय एकता के प्रति उत्तरदायी बनाएगी। संरक्षण का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है; यह अपनी भाषाओं की रक्षा, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, सामाजिक समरसता की रक्षा और प्रकृति की रक्षा भी है, वहीं चिंतन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम देश की उन्नति और विकास में किस तरह योगदान दे सकते हैं। इसलिए आज स्वतंत्रता संरक्षण का अर्थ है - राष्ट्र की एकता के प्रति अटूट निष्ठा, संविधान के प्रति सम्मान, नागरिक कर्तव्यों का पालन, परस्पर सद्भाव का संवर्धन, भारतीय भाषाओं और ज्ञान-परंपराओं का संरक्षण, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तथा ऐसी शिक्षा का विकास जो युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ सके। यदि स्वतंत्रता हमें अधिकारों का बोध कराती है, तो स्वतंत्रता संरक्षण हमें उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कर्तव्यों का स्मरण कराता है।तो आइए, इस 15 अगस्त पर एक राष्ट्रीय संकल्प लें कि हम स्वतंत्रता को केवल इतिहास की उपलब्धि नहीं, भविष्य की जिम्मेदारी मानेंगे। हमारा प्रयास ऐसी पीढ़ी का निर्माण होगा, जो राष्ट्र को केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना के रूप में देखे। हम मतभेदों से ऊपर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे। हम अधिकार माँगेंगे, तो साथ ही कर्तव्यों का पालन भी करेंगे। हम स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उसके संरक्षण के लिए सदा सजग भी रहेंगे। तभी 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता दिवस नहीं रहेगा; वह स्वतंत्रता संरक्षण का राष्ट्रीय संकल्प दिवस बन जाएगा - एक ऐसा दिवस जो हमें स्मरण कराए कि स्वतंत्रता प्राप्त करना जितना कठिन था, उसे अक्षुण्ण बनाए रखना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण।

भारत में कारोबार करना है तो भारतीय कानून मानने होंगे : मेटा को सरकार की दो टूक

भारत में काम कर रही वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए केंद्र सरकार का रुख अब पहले की अपेक्षा अधिक सख्त होता दिखाई दे रहा है। फेसबुक, वाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय मंचों का संचालन करने वाली कंपनी मेटा को लेकर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत में कारोबार करने वाली किसी भी विदेशी डिजिटल कंपनी को भारतीय कानूनों और नियामकीय निर्देशों का पालन करना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो फेसबुक से अस्थायी रूप से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ विवाद अब केवल एक वीडियो तक सीमित नहीं रह गया है। इसके केंद्र में डिजिटल मंचों की जवाबदेही, एल्गोरिदम की पारदर्शिता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री, डीपफेक और राजनीतिक सामग्री की निगरानी जैसे गंभीर सवाल आ गए हैं। मेटा ने प्रधानमंत्री के वीडियो को फेसबुक से हटाए जाने को संचालन संबंधी त्रुटि बताया था और बाद में वीडियो बहाल कर दिया। कंपनी की ओर से इस मामले में माफी भी मांगी गई, लेकिन भारत सरकार ने इसे केवल तकनीकी गलती मानकर मामला समाप्त करने से इनकार कर दिया। सरकार की ओर से मेटा से यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि उसके मंच पर सामग्री को हटाने, दिखाने और अधिक लोगों तक पहुंचाने के संबंध में एल्गोरिदम किस प्रकार काम करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो फेसबुक से अस्थायी रूप से हटाए जाने के बाद सरकार और मेटा के बीच मतभेद खुलकर सामने आए। कंपनी ने बाद में वीडियो बहाल करते हुए इसे तकनीकी अथवा संचालन संबंधी त्रुटि बताया। मेटा की ओर से स्पष्टीकरण और माफी के बावजूद सरकार ने इसे संतोषजनक नहीं माना। सरकार का मानना है कि इतने बड़े डिजिटल मंच पर किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक सामग्री को हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि फेसबुक जैसे मंचों पर करोड़ों भारतीय समाचार, राजनीतिक विचार और सार्वजनिक महत्व की सूचनाएं देखते हैं। ऐसे में किसी सामग्री को हटाने या उसे सीमित करने का निर्णय सीधे तौर पर जनमत और सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि सरकार अब केवल यह जानने तक सीमित नहीं रहना चाहती कि वीडियो क्यों हटाया गया, बल्कि वह डिजिटल मंचों की पूरी सामग्री-नियंत्रण व्यवस्था पर भी सवाल उठा रही है। सरकार का मूल संदेश स्पष्ट है कि भारत में काम करने वाली कंपनियों के लिए भारतीय कानून सर्वोच्च होंगे। किसी कंपनी की वैश्विक नीति यदि भारतीय कानून या नियामकीय निर्देशों से टकराती है तो उसे भारतीय नियमों के अनुरूप अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव करना होगा। यह रुख केवल मेटा तक सीमित नहीं माना जा रहा है। भारत में कारोबार कर रही सभी बड़ी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए यह एक व्यापक संकेत है। सरकार अब यह सुनिश्चित करना चाहती है कि डिजिटल मंच अपनी वैश्विक नीतियों और कारोबारी हितों के साथ-साथ भारतीय उपयोगकर्ताओं, कानून और सामाजिक परिस्थितियों को भी प्राथमिकता दें। मेटा के मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उसके एल्गोरिदम को लेकर भी उठ रहा है। डिजिटल मंचों पर कौन-सी सामग्री उपयोगकर्ता को दिखाई जाएगी, कौन-सी सामग्री अधिक लोगों तक पहुंचेगी और किस सामग्री की पहुंच सीमित होगी, इसमें एल्गोरिदम की बड़ी भूमिका होती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल ने इस व्यवस्था को और जटिल बना दिया है। अब बड़ी मात्रा में सामग्री स्वत: तैयार, वर्गीकृत और प्रसारित की जा सकती है। ऐसे में यदि एल्गोरिदम में किसी प्रकार का पक्षपात या त्रुटि होती है तो उसका प्रभाव बहुत बड़े स्तर पर पड़ सकता है। सरकार की चिंता यह है कि डिजिटल मंचों के पास ऐसी तकनीकी व्यवस्था है जिसके आधार पर वे यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि करोड़ों उपयोगकर्ता क्या देखें और क्या नहीं। इसलिए इन प्रणालियों की पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर स्पष्ट नियम जरूरी हो गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ डीपफेक वीडियो और भ्रामक सामग्री का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज का इस्तेमाल करके ऐसा वीडियो तैयार किया जा सकता है जो देखने में वास्तविक लगे, जबकि वह पूरी तरह कृत्रिम हो। राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी ऐसी सामग्री जनमत को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। सरकार चाहती है कि मेटा सहित सभी बड़े डिजिटल मंच डीपफेक और भ्रामक सामग्री की पहचान के लिए प्रभावी तकनीकी व्यवस्था विकसित करें। साथ ही, शिकायत मिलने पर आपत्तिजनक सामग्री को तेजी से हटाने और उसकी पुनरावृत्ति रोकने की व्यवस्था भी मजबूत की जाए। मेटा और भारतीय नियामकीय संस्थाओं के बीच विवाद नया नहीं है। वर्ष 2021 में वाट्सएप की निजता नीति को लेकर भी भारत में व्यापक विवाद हुआ था। इस मामले में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने वाट्सएप की मूल कंपनी पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। आयोग ने कंपनी की प्रभावशाली स्थिति और उपयोगकर्ता संबंधी आंकड़ों के संग्रह तथा साझा किए जाने की व्यवस्था को प्रतिस्पर्धा कानून के संदर्भ में जांचा था। इस कार्रवाई के बाद मामला न्यायिक प्रक्रिया तक पहुंचा। उस समय विवाद का केंद्र मुख्य रूप से निजता, आंकड़ों और प्रतिस्पर्धा से जुड़े प्रश्न थे। हालांकि मौजूदा विवाद का दायरा इससे कहीं व्यापक दिखाई देता है। अब बहस एल्गोरिदम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीपफेक, राजनीतिक सामग्री, सामग्री निगरानी और डिजिटल मंचों की जवाबदेही तक पहुंच गई है। आज इंटरनेट मीडिया केवल लोगों के मनोरंजन या आपसी संवाद का माध्यम नहीं रह गया है। चुनाव, सरकार की नीतियां, सामाजिक आंदोलन, समाचार और सार्वजनिक बहस का बड़ा हिस्सा डिजिटल मंचों पर दिखाई देता है। ऐसे में इन मंचों पर सामग्री को नियंत्रित करने वाली कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। यही वजह है कि यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य बड़े डिजिटल मंच केवल निजी कारोबारी संस्थाएं हैं या वे सार्वजनिक जीवन को प्रभावित करने वाली डिजिटल संस्थाओं की भूमिका भी निभाने लगे हैं। यदि किसी मंच का एल्गोरिदम किसी विशेष प्रकार की सामग्री को लगातार अधिक लोगों तक पहुंचाता है और दूसरी सामग्री की पहुंच सीमित करता है तो इसका प्रभाव समाज और लोकतांत्रिक विमर्श पर पड़ सकता है। इसलिए सरकारें दुनिया भर में इन कंपनियों से अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रही हैं। दुनिया के कई देशों में डिजिटल मंचों के माध्यम से चुनाव और जनमत प्रभावित किए जाने को लेकर विवाद सामने आ चुके हैं। भारत में भी केंब्रिज एनालिटिका प्रकरण के बाद सामाजिक माध्यमों पर उपलब्ध उपयोगकर्ता आंकड़ों के राजनीतिक इस्तेमाल को लेकर गंभीर बहस हुई थी।

इस घटना ने यह सवाल खड़ा किया था कि उपयोगकर्ताओं से जुड़े आंकड़ों का इस्तेमाल किस सीमा तक किया जा सकता है और क्या डिजिटल मंचों के माध्यम से लोगों की राजनीतिक पसंद और व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है। इसके बाद दुनिया भर में डिजिटल मंचों की जवाबदेही और आंकड़ों की सुरक्षा को लेकर नियामकीय दबाव बढ़ा। मेटा की ओर से वीडियो हटाए जाने के मामले में माफी मांगने के बावजूद सरकार का रुख यह संकेत देता है कि अब केवल माफी मांगकर ऐसे मामलों को समाप्त नहीं किया जा सकेगा। यदि किसी डिजिटल कंपनी की कार्यप्रणाली में गंभीर लापरवाही या कानून का उल्लंघन सामने आता है तो उसके लिए जवाबदेही तय करनी होगी। विशेष रूप से डीपफेक, बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री, धोखाधड़ी, भ्रामक राजनीतिक सामग्री और अन्य हानिकारक सामग्री के प्रसार को लेकर डिजिटल मंचों की जिम्मेदारी तय करना जरूरी है।

छह महीने के बाद बच्चे की डाइट में शामिल करें ये तीन चीजें

बच्चे की सेहत और विकास को लेकर हर माता-पिता काफी चिंता में रहते हैं। जब बच्चा छह महीने का होता है और उसे धीरे-धीरे ठोस आहार देना शुरू किया जाता है, तब माता-पिता के लिए यह समझना बेहद जरूरी होता है कि उसकी प्लेट में किन-किन चीजों को जगह दी जाए। इस उम्र में सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं होता बल्कि ऐसा पौष्टिक खाना देना जरूरी होता है, जो बच्चे की शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाए। बच्चे का मानसिक विकास उसके खान-पान, नींद, खेल, बातचीत, आसपास के माहौल और देखभाल समेत कई चीजों पर निर्भर करता है। लेकिन अगर कुछ पोषक खाद्य पदार्थ उसकी डाइट में शामिल कर दें, तो विकास बेहतर तरीके से होता है। अखरोट से तैयार प्यूरी या पाउडर- अखरोट को बच्चों के लिए पोषक आहार माना जाता है। इसमें हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं और यह प्लांट-बेस्ड ओमेगा-3 फैटी एसिड का भी स्रोत है। ओमेगा-3 फैट शरीर और दिमाग के सामान्य विकास के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में शामिल है। इसके अलावा अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड भी पाए जाते हैं। छह महीने के बाद बच्चे को अखरोट सीधे टुकड़ों के रूप में देने के बजाय बहुत बारीक पिसे हुए रूप में देना सही रहता है। अखरोट को हल्का भूनकर उसका पाउडर तैयार करें। इसे बच्चे के लिए बनाए गए दलिया, दही या किसी फल की प्यूरी में थोड़ी मात्रा में मिलाए। बता दें कि साबुत या बड़े टुकड़ों में मेवे छोटे बच्चों के लिए चोकिंग का खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए उनकी बनावट बच्चे की उम्र और निगलने की क्षमता के अनुसार ही रखें। पहली बार कोई नया खाद्य पदार्थ देते समय एलर्जी के संभावित लक्षणों पर भी नजर रखना जरूरी है। अंडा भी पौष्टिक विकल्प- अंडा भी बच्चे की डाइट में शामिल किया जा सकने वाला पोषक खाना है। इसमें प्रोटीन के साथ कई जरूरी विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। खासतौर पर अंडे की जर्दी में कोलीन मौजूद होता है। कोलीन शरीर में कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के सामान्य विकास के लिए भी जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। छह महीने के बाद बच्चे को अंडा देना शुरू किया जा सकता है, लेकिन इसे हमेशा अच्छी तरह पकाकर और बच्चे की उम्र के मुताबिक नरम बनाकर देना चाहिए। उबले हुए अंडे को अच्छी तरह मैश करे और फिर एवोकाडो या कोई नरम चीज के साथ मिलाकर बच्चे को दें।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन कामकाज के लिहाज से उत्साह बढ़ाने वाला रह सकता है। जिन कार्यों को पूरा करने में लंबे समय से प्रयास चल रहा था, उनमें अपेक्षा से तेजी आ सकती है।

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों को आज कारोबार या पेशेवर क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। प्रतिस्पर्धियों की गतिविधियों को लेकर मन में चिंता रहेगी, लेकिन घबराने के बजाय अपनी रणनीति पर ध्यान देना अधिक लाभदायक होगा।

मिथुन-मिथुन राशि वालों के लिए आज सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहद जरूरी रहेगा। दूसरों से आगे निकलने की होड़ में अपनी ऊर्जा खर्च करने के बजाय उपलब्ध साधनों का समझदारी से इस्तेमाल करना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

कर्क-कर्क राशि के जातकों को आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में लिया गया फैसला या छोटी-सी लापरवाही बाद में परेशानी का कारण बन सकती है।

सिंह -सिंह राशि वालों के लिए आज अपनी जिम्मेदारियों और अधिकारों का इस्तेमाल समझदारी के साथ करना जरूरी रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद आपका प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रह सकता है।

कन्या-कन्या राशि के लोगों को आज ऐसे कामों में भी रुकावट का सामना करना पड़ सकता है जिन्हें वे आसानी से पूरा होने वाला मान रहे थे। काम में देरी के कारण मानसिक दबाव बढ़ सकता है।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए कला, साहित्य और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े मामलों में सम्मान मिलने की संभावना है। आपकी प्रतिभा की सराहना हो सकती है और किसी महत्वपूर्ण मंच पर पहचान मिल सकती है।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों को आज संपत्ति खरीदने या धन निवेश करने से जुड़े फैसलों में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। आकर्षक अवसर दिखाई देने के बावजूद उसके सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच करना जरूरी रहेगा।

धनु-धनु राशि के लिए आज अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने का अच्छा अवसर हो सकता है। परिस्थितियों का सहयोग मिलने से लंबे समय से चले आ रहे विवादों को सुलझाने में सफलता मिल सकती है।

मकर-मकर राशि के जातकों को आज भावनात्मक मामलों में थोड़ा संवेदनशील रहना पड़ सकता है। करीबी व्यक्ति की कोई बात मन को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय स्थिति को समझने की कोशिश करें।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता मजबूत करने वाला हो सकता है। कार्यस्थल या सामाजिक क्षेत्र में लोग आपकी सलाह और निर्णय क्षमता पर भरोसा कर सकते हैं।

मीन-मीन राशि के लोगों को आज अपेक्षित सहयोग हासिल करने में कुछ कठिनाई हो सकती है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के बीच अनुशासन की कमी या काम को लेकर लापरवाही आपके लिए तनाव का कारण बन सकती है। ऐसी स्थिति में भावनाओं में आकर निर्णय लेने के बजाय जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से बांटना बेहतर रहेगा।

गर्भावस्था में वायरल बुखार के जोखिम से बचें

मानसून के दिनों में प्रैग्नेंसी में अकसर पेट में दर्द, सेहत में गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जो वातावरण से पैदा होने वाली यानी खराब पानी, चिपचिपा मौसम, उमसभरी गर्मी के कारण होती हैं। ऐसे में अगर वायरल बुखार हो जाए तो अकसर बड़ों की नसीहतें सुनने को मिलती हैं कि अपना ध्यान नहीं रखा होगा। क्योंकि गर्भावस्था में हल्का बुखार भी एक बड़ी समस्या लगने लगता है। हेल्थ संबंधी किसी समस्या के कारण अगर कोई दवाई लेनी पड़ी तो इससे क्या मेरे स्वास्थ्य को कोई खतरा तो नहीं? बुखार में क्या मेरे बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित है? जैसे सवाल जेहन में आने लगते हैं गर्भावस्था में कुछ महिलाओं को कई समस्याएं होती हैं। ज्यादा बारिश के दिनों में ठंड लगना या हल्का गर्म महसूस होना जैसी फीलिंग होती है। ऐसे में अगर शरीर का तापमान 38 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर चला जाता है, तो उसके लिए समस्या हो जाती है, क्योंकि घर के दूसरे सदस्य ऐसी स्थिति से गुजरते हैं तो वे पैरासिटामॉल लेकर खुद को सही समझकर अपने कामों में लग जाते हैं। लेकिन गर्भवती महिला के लिए कोई भी दवाई लेना उसके और उसके बच्चे की सुरक्षा के लिए खतरा होता है। इसलिए गर्भावस्था में हर बुखार खतरे की घंटी तो नहीं होता, लेकिन उसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। हल्का बुखार (100 से 101 डिग्री फॉरेनहाइट), वायरल सर्दी या मूत्र मार्ग के संक्रमण की वजह से भी होता है। लेकिन अगर बुखार 102 डिग्री फॉरेनहाइट या इससे ज्यादा हो तो चिंता की बात हो जाती है। लेकिन इसके

लिए डॉक्टर की सलाह तुरंत लें। अगर बुखार लंबे समय तक रहता है, भले ही ज्यादा न हो, तो यह संकेत है कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ रही है। मानसून में फ्लू या वायरल संक्रमण होना आम बात है। गर्भवती महिला भी इसकी चपेट में आ सकती है। लेकिन कभी-कभी यूटीआई इंफेक्शन की वजह से भी बुखार हो सकता है। गर्भावस्था के दौरान पानी से होने वाली बीमारियों की वजह से भी बुखार हो सकता है। बहरहाल वजह चाहे जो भी हो, बिना डॉक्टर की सलाह के कोई दवाई न लें।घर के दूसरे सदस्यों की तरह प्रैग्नेंट महिला को तुरंत पैरासिटामॉल या इसी तरह की कोई बुखार की दवा नहीं लेनी चाहिए। क्योंकि बुखार कम करने वाली सभी दवाएं गर्भावस्था के दौरान सुरक्षित नहीं होती, जो भी लें, डॉक्टर से पूछकर लें। कोशिश करें बिना दवा लिए ही बुखार कम हो जाए, इसके लिए खूब पानी पीएं। क्योंकि डिहाइड्रेशन की वजह से भी बुखार हो सकता है। बुखार के कारण अगर थकावट महसूस होती है तो अपने खाने पर विशेष ध्यान दें। खाली पेट न रहें। अपने डॉक्टर को बुखार के हल्के लक्षण दिखने पर ही फोन पर कंसल्ट करें। गर्भावस्था में बुखार हमेशा खतरनाक नहीं होता। लेकिन इस पर ध्यान भी देना जरूरी है। इसके अलावा तेज ठंड के साथ बुखार होना या शरीर में लगातार दर्द रहना, तेज सिरदर्द, चक्कर आना, पेट में दर्द, पेशाब करते समय जलन होना, गर्भ में बच्चे की मूवमेंट कम होना जैसी स्थिति होने पर डॉक्टर से संपर्क करें। मानसून के इस मौसम में वायरल संक्रमण और किसी दूसरे बुखार के अंतर को भी पहचानना जरूरी है। तेज बुखार, आंखों में तेज दर्द, बार-बार उल्टी होना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, इसके लिए डेंगू या फ्लू की जांच के लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। गर्भवती होने पर महिलाओं को सामान्य वायरल बुखार होने की काफी ज्यादा संभावना होती है। घर में अगर किसी को बुखार है तो उसके पास न जाएं। खाने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धोएं। इसके अलावा कच्चा मांस, मछली और पनीर का सेवन करने से बचें। खांसी, शरीर में दर्द, सर्दी जुकाम, ये लक्षण फ्लू के हो सकते हैं। इसलिए सचेत रहें। उल्टी या दस्त पैदा करने वाले संक्रमण के कारण भी बरसात के दिनों में बुखार हो सकता है। इसलिए पेट में दर्द, डिहाइड्रेशन, होने पर ध्यान रखें। ठंड लगना, कंपकंपी होना, दिल तेज से धड़कना, भूख न लगना, मुंह सूखना, पेशाब कम आना, जैसे लक्षण फ्लू के हो सकते हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

सीएमआईएस समीक्षा में डीएम का सख्त रुख

खराब प्रगति पर अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

आकांक्षात्मक विकासखंड मड़ावरा ने ऑल इंडिया रैंकिंग में हासिल किया तीसरा स्थान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ सीएमआईएस पोर्टल पर दर्ज विकास परियोजनाओं तथा आकांक्षात्मक विकासखंड मड़ावरा में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विकास कार्यों में धीमी प्रगति पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को एक माह का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगले माह तक प्रगति में सुधार नहीं हुआ तो जिम्मेदारी तय करते हुए सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि इस माह सीएमआईएस पोर्टल पर जनपद की कुल 240 विकास परियोजनाओं में से 157 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि शेष परियोजनाएं निर्धारित समयावधि में पूर्ण होने की स्थिति में हैं। समीक्षा में 15 परियोजनाएं लाल श्रेणी में पाई गईं, जिनकी जिलाधिकारी ने गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से परियोजनावार प्रगति की जानकारी ली। जननी सुरक्षा योजना की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए एनएचएम के डा.अमित तिवारी का स्पष्टीकरण तलब किया। वहीं डीएएम का इस माह का वेतन आहरित न करने के निर्देश दिए। बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिला उद्यान अधिकारी के प्रति भी नाराजगी जताते हुए उनका स्पष्टीकरण तलब किया गया तथा एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था सीएलडीएफ के अधिकांश विकास कार्यों में अपेक्षित प्रगति न होने पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि इस माह कार्यों में अपेक्षित सुधार नहीं आता है तो संस्था के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन परियोजनाओं में समयाभाव अथवा अन्य कारणों से प्रगति प्रभावित हो रही है और वह लाल श्रेणी में पहुंच रही हैं, उनके संबंध में शासन स्तर पर पत्राचार कर आवश्यकतानुसार समयावधि बढ़वाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, बल्कि परियोजनाओं को धरातल पर समय से पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि अगले माह तक जिन परियोजनाओं की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, उनमें संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। पूर्ण होने की स्थिति में पहुंच चुकी परियोजनाओं के लिए हैंडओवर समिति का गठन तत्काल करने के निर्देश भी दिए गए। कृषि विभाग एवं उद्योग विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्वयं सहायता समूहों को विभागीय योजनाओं से जोड़कर अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाए। जिलाधिकारी ने जिले की बानपुर, जखौरा, बिजरौठा, बड़ौदाडांग और गंगचारी गौशालाओं तक पहुंच मार्ग नहीं होने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को इनके लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में संस्कृति विभाग के कार्यों की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए पत्र लिखने के निर्देश दिए। वहीं गिन्नौट बाग में पर्यटन विकास परियोजना का टेंडर न हो पाने के मामले में पर्यटक अधिकारी को प्रमुख सचिव से पत्राचार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए इसी माह तिथि निर्धारित कर विकासखंडवार कार्यक्रम आयोजित कराने को कहा। समीक्षा के दौरान सड़कों के अनुरक्षण, डे-एनआरएलएम, फैमिली आईडी, आईसीडीएस, 15वां वित्त आयोग, 5वां वित्त आयोग, राज्य योजना, निर्माण कार्य तथा नई सड़कों के निर्माण की प्रगति अपेक्षाकृत खराब पाई गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को अगले माह तक प्रगति सुधारने का स्पष्ट अल्टीमेटम दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास योजनाओं की नियमित मॉनीटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दिया जाए। बैठक के दूसरे चरण में जनपद के आकांक्षात्मक विकासखंड मड़ावरा में विभिन्न संकेतकों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि आकांक्षात्मक विकासखंड मड़ावरा ने ऑल इंडिया ओवरऑल रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया है, जिसे जिलाधिकारी ने अच्छी उपलब्धि बताया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि मड़ावरा में सभी निर्धारित संकेतकों पर इसी तरह पूरी तत्परता के साथ कार्य किया जाए और बेहतर प्रदर्शन को बनाए रखते हुए विकासखंड को और बेहतर रैंकिंग दिलाने का प्रयास किया जाए। बैठक में डीसी मनरेगा रमेश कुमार यादव, डीडीओ अतिरंजन सिंह, सीवीओ डा.भगवान सिंह, डीआईओएस ओपी सिंह, डीपीआरओ कुंवर सिंह यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित विभिन्न कार्यदायी विभागों के अधिशासी अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मार्ग, कांवड़ यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

पवित्र श्रावण मास में शिवभक्ति की बयार बह रही है। नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक प्रतिदिन श्रद्धालु कांवड़ लेकर भगवान भोलेनाथ के दरबार में पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम खिरिया भारंजू से शिवधाम कुंडेश्वर के लिए भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। कांवड़ यात्रा में श्रद्धालु हाथों में कांवड़ और अधरों पर हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए उत्साहपूर्वक आगे बढ़े। यात्रा का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इससे पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। कांवड़ यात्रा के दौरान आशु पटैरिया, हर्ष पटैरिया, आयुष पटैरिया, सत्यम राजा, जयदेव प्रजापति, सत्यम विश्वकर्मा एवं जयप्रकाश पटैरिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने कुंडेश्वर धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

खेत पर गिरी आकाशीय बिजली, किसान की मौके पर मौत

महरौनी। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नैनवारा में बुधवार को आकाशीय बिजली गिरने से खेत पर फसल देखने गए किसान की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनवारा निवासी प्रेम नारायण मिश्रा (पुत्र स्व. कन्हैया लाल मिश्रा) बुधवार दोपहर बाद खेत पर अपनी फसल देखने गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली खेत में जा गिरी। इसकी चपेट में आने से प्रेम नारायण मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद किसानों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और प्रशासन को घटना से अवगत कराया। ग्रामीणों के अनुसार मृतक की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। परिजनों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

आकाशीय बिजली का कहर

अलग-अलग गांवों में दो किसान झुलसे, बछिया की मौत

ललितपुर। जिले में बुधवार शाम बारिश के दौरान अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में दो किसान झुलस गए, जबकि एक बछिया की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों घायलों को परिजनों ने उपचार के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। कोतवाली सदर क्षेत्र के ग्राम मसौरा कला निवासी 27 वर्षीय पूरन पुत्र दलपत बुधवार शाम करीब सात बजे बारिश के दौरान अपनी बछिया को नीम के पेड़ के पास बांधने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान तेज गरज के साथ अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली की चपेट में आने से बछिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पूरन गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल पूरन को उपचार के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज ले जाकर भर्ती कराया। इसी तरह कोतवाली सदर क्षेत्र में ग्राम पनारी के पास 45 वर्षीय भगवानदास पुत्र जुगल प्रताप बुधवार शाम करीब सात बजे अपने घर से मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई और तेज गरज के साथ उनके पास आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे में भगवानदास गंभीर रूप से प्रभावित होकर झुलस गए। परिजनों ने उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मानदेय बढ़ाने और लंबित प्रोत्साहन राशि के भुगतान की मांग को लेकर आशा कार्यकर्तियों का प्रदर्शन

» जिलाध्यक्ष आशा यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन
» मांगें पूरी न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

मानदेय बढ़ाने, लंबित प्रोत्साहन राशि के भुगतान करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को जनपद की आशा कार्यकर्तियों ने प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन से संबद्ध आशा कार्यकर्ता कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कार्यकर्तियों ने जिलाध्यक्ष आशा यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आशा कार्यकर्तियों ने कहा कि 6 फरवरी 2026 को स्वास्थ्य मंत्री और यूनियन पदाधिकारियों के बीच हुई वार्ता में 13 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन कई माह बीत जाने के बावजूद मांगों को धरातल पर लागू नहीं किया गया। इससे आशा कार्यकर्तियों में रोष व्याप्त है।

आशा कार्यकर्तियों ने वर्तमान मानदेय 1500 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की। इसके साथ ही मातृत्व अवकाश की सुविधा देने, जीवन बीमा की राशि दो लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने तथा स्वास्थ्य बीमा का लाभ उपलब्ध कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। कार्यकर्तियों ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए कार्यों के अलावा आयुष्मान भारत, टीबी, कुष्ठ रोग, पोलियो एवं अन्य स्वास्थ्य अभियानों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन कार्यों से संबंधित कई प्रोत्साहन राशियां अभी तक लंबित हैं। कार्यकर्तियों ने सभी बकाया प्रोत्साहन राशि का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। ज्ञापन में जनवरी 2023 से मानदेय भुगतान से संबंधित समस्या भी उठाई गई। कार्यकर्तियों का कहना है कि जनवरी 2023 से मानदेय और उसी के अनुसार भुगतान का आदेश होने के बावजूद कई स्थानों पर वर्ष 2023 का भुगतान नहीं किया गया, जबकि वर्ष 2024 का भी अधूरा भुगतान हुआ है। उन्होंने बकाया मानदेय का पूर्ण भुगतान कराने और भुगतान संबंधी विसंगतियों को दूर करने की मांग की। इसके अलावा गर्भपात के मामलों में 1000 रुपये प्रोत्साहन राशि, प्रसव कक्ष और ऑपरेशन थिएटर में ड्यूटी के दौरान मिलने वाले प्रोत्साहन का भुगतान तथा 45/46 के अंतर्गत बंद सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने सहित अन्य मांगें भी उठाई गईं। इस दौरान जिलाध्यक्ष आशा यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजना चौबे, कोषाध्यक्ष गीता, जिला महामंत्री ममता झा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष मालती यादव, संयुक्त मंत्री लक्ष्मी सेन, ऑडिटर सुमन कौते, प्रचार मंत्री कविता और जिला सचिव सरोज राजपूत सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्तियां मौजूद रहीं। विभिन्न ब्लॉकों से नीतू रानी, किरन सिंह, देवी राजा, सुषमा राजा, शिरोमणि और संगीता दुबे सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्तियां भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

सोलर प्लेट चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

10 प्लेटें और चोरी में प्रयुक्त टेंपो बरामद

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

कोतवाली पुलिस ने सोलर प्लेट चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 10 सोलर प्लेटें और वारदात में प्रयुक्त आपे/टेंपो बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ जनपद ललितपुर और झांसी के विभिन्न थानों में चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 11 अगस्त को कड़ेसरा कलां निवासी अमर सिंह बुंदेला और रानीपुरा खांदी निवासी रामसिंह यादव ने अपने-अपने सोलर पैनल चोरी होने की सूचना दी थी। इस पर थाना तालबेहट में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने गुरुवार सुबह करीब 5:05 बजे ग्राम खांदी की पुलिया के पास से आबिद पुत्र अब्दुल खान निवासी चौबयाना और राहुल रैकवार पुत्र विरजू रैकवार निवासी चौबयाना को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर 10 चोरी की सोलर प्लेटें बरामद हुईं। चोरी में प्रयुक्त आपे/टेंपो संख्या यूपी 94 एटी 4583 को भी पुलिस ने सीज कर दिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने दो अन्य साथियों कमलेश रजक और रवि रैकवार के साथ मिलकर तालबेहट, बार, ललितपुर कोतवाली और बबीना क्षेत्र में सोलर प्लेट चोरी करने की बात स्वीकार की। बरामदगी के आधार पर मुकदमों में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना तालबेहट में दो, थाना बार, कोतवाली ललितपुर और थाना बबीना झांसी में एक-एक मुकदमा दर्ज है। दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक विकास कुमार, उपनिरीक्षक दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत थाना तालबेहट पुलिस बल शामिल रहा।

भव्य तिरंगा यात्रा में दिखा राष्ट्रप्रेम का जोश, भारत माता के जयघोष से गूंजा ललितपुरः बिल्ला सर

छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर निकाली विशाल यात्रा, राष्ट्रगान के साथ हुआ भव्य समापन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत संदेश देते हुए ग्वाला डिफेंस फिजिकल एकेडमी, ललितपुर के छात्र-छात्राओं द्वारा शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में लहराता तिरंगा, जुबां पर भारत माता के जयकारे और दिल में देश के लिए सम्मान—ऐसे उत्साहपूर्ण माहौल के बीच निकली तिरंगा यात्रा ने पूरे शहर में देशभक्ति का रंग भर दिया।

ग्वाला डिफेंस फिजिकल एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने पूरे अनुशासन और जोश के साथ इस तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। यात्रा में शामिल युवाओं के हाथों में तिरंगे झंडे देखते ही बन रहे थे। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ी, लोगों का उत्साह भी बढ़ता गया। सड़क के दोनों ओर मौजूद लोगों ने तिरंगा यात्रा को देखकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया और देशभक्ति से ओत-प्रोत इस आयोजन की सराहना की।

भव्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ घुसयाना बस स्टैंड से हुआ। यहां से छात्र-छात्राएं कतारबद्ध एवं अनुशासित तरीके से तिरंगा हाथों में लेकर आगे बढ़े। यात्रा में देशभक्ति का ऐसा उत्साह देखने को मिला कि पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर नजर आया।तिरंगा यात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत नारे लगाए। भारत माता की जय और राष्ट्रप्रेम के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। तिरंगा यात्रा ने न केवल स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और भव्य बनाया, बल्कि समाज में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और युवाओं की सकारात्मक भूमिका का संदेश भी दिया। ग्वाला डिफेंस फिजिकल एकेडमी के विद्यार्थियों ने अपने जोश और अनुशासन के माध्यम से यह संदेश दिया कि देश का युवा केवल अपने भविष्य को संवारने के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निभाने के लिए भी सदैव तत्पर है।

वर्णी चौराहा पर राष्ट्रगान के साथ हुआ समापन। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, और शहर कोतवाल अनुराग अवस्थी सहित पुलिस प्रशासन के सिपाही मौजूद रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में तिरंगा यात्रा शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं गरिमामय तरीके से संपन्न हुई। ग्वाला डिफेंस फिजिकल एकेडमी ललितपुर द्वारा आयोजित इस आयोजन ने ललितपुर में स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को एक नई ऊर्जा प्रदान की। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि देश का भविष्य कहे जाने वाले युवा राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। तिरंगा यात्रा के दौरान जिस प्रकार छात्र-छात्राओं ने अनुशासन, एकजुटता और देशभक्ति का परिचय दिया, वह निश्चित रूप से प्रेरणादायी रहा। यह आयोजन केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि तिरंगे के सम्मान, देश के प्रति समर्पण और राष्ट्र की एकता-अखंडता के संकल्प का प्रतीक बनकर सामने आया। ग्वाला डिफेंस फिजिकल एकेडमी ललितपुर के संचालक बिल्ला सर ने इस भव्य तिरंगा यात्रा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ललितपुर वासियों के बीच देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया तथा युवाओं को राष्ट्रहित में आगे बढ़ने का प्रेरणादायी संदेश दिया।

अवैध खनन का बेखौफ कारोबार

हाईवे पर बोल्डर गिराकर भागी ट्रैक्टर-ट्रॉली

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार देर रात अवैध खनन कर ले जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किए जाने के दौरान चालक ने एनएच-44 पर ग्राम कड़ेसराकलां के पास बीच हाईवे पर बोल्डर गिरा दिए और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके से भाग निकला। सड़क पर भारी पत्थर गिरने से हाईवे पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई और करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही।

बताया जा रहा है कि अवैध खनन की सूचना पर वन विभाग अथवा खनन विभाग की टीम द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किया जा रहा था। टीम से बचने के प्रयास में चालक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से बोल्डर सड़क पर गिरा दिए। इसके बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। अचानक सड़क पर पत्थर आने से हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हाईवे पर बिखरे बोल्डरों को हटाने का काम शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद सड़क से पत्थर हटाए जा सके। इसके बाद मध्यरात्रि में हाईवे पर यातायात सुचारू हो सका। घटना ने क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन और परिवहन पर निगरानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय खनन सामग्री से भरे वाहन बेखौफ होकर निकलते हैं। वहीं, पुलिस और संबंधित विभागों की कार्रवाई के बावजूद अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है।

विशाल जैन को मिला साहित्य सेवी सम्मान

तालबेहट। गुरयाना के सहायक अध्यापक व नवोदित लेखक विशाल जैन पवा को उत्कृष्ट साहित्य सृजन के लिए साहित्य सेवी सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें काव्य सारथी, काव्य पुरोधा, काव्य शिरोमणि और साहित्य रत्न सम्मान भी मिले। विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में गुरु विषयक सरसी छंद, चित्र आधारित लेखन और हिंदी साहित्य इतिहास प्रश्नोत्तरी में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जुलाई-अगस्त में उनकी 31 कविताएं साझा संकलन पुस्तकों में प्रकाशन के लिए चयनित हुई हैं।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से महिला, पति और नातिन घायल

तालबेहट। ग्राम टेटा के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला, उसका पति और नातिन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

ग्राम खजरा, थाना बार निवासी हरबू पत्नी सेवराज कुशवाहा ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपनी नातिन गुनगुन और पति सेवराज के साथ एक जुलाई को तालबेहट से घर लौट रही थीं। शाम करीब 6:30 बजे ग्राम टेटा के पास सीताराम पुत्र रम्पा कुशवाहा निवासी मुहारा, चेनावारा, थाना जखौरा द्वारा कथित रूप से तेज गति व लापरवाही से चलाए जा रहे वाहन ने उनकी बाइक में बगल से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों सड़क पर गिर गए। सेवराज मौके पर बेहोश हो गए, जबकि हरबू और उनकी नातिन को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से सभी को एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय ललितपुर भेजा गया। पीड़िता ने 13 अगस्त को थाना तालबेहट में प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

15 वर्षीय किशोर घर से लापता, तलाश में जुटी पुलिस

तालबेहट। थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम विगारी निवासी 15 वर्षीय अभिषेक लोधी बुधवार शाम घर से लापता हो गया। काफी तलाश और रिश्तेदारों व आसपास के लोगों से जानकारी करने के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। किशोर के पिता दिनेश लोधी ने गुरुवार को थाना तालबेहट पहुंचकर पुलिस को सूचना दी और पुत्र की तलाश कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने सूचना दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है।

पांच हजार रुपये लेकर दोस्तों के साथ गया युवक

ललितपुर। कोतवाली सदर क्षेत्र के मोहल्ला नेहरूनगर में एक युवक को घर से अपने साथ ले जाकर शराब पिलाने और रुपये खत्म होने के बाद उसके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। घायल युवक का उपचार कराया गया। पीड़ित के परिजनों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नेहरूनगर निवासी 20 वर्षीय शिवम पुत्र मंगल के परिजनों के अनुसार, बुधवार सुबह शिवम अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान उसके तीन दोस्त उसे घर से पांच हजार रुपये लेकर अपने साथ ले गए। आरोप है कि इसके बाद तीनों ने शिवम के साथ शराब पी। परिजनों का आरोप है कि शराब पीने के बाद जब शिवम के पास मौजूद रुपये खत्म हो गए तो आरोपियों ने उस पर चोरी करने का दबाव बनाया। शिवम ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से शिवम के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायल शिवम को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। घटना के संबंध में परिजनों ने कोतवाली सदर पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना में शामिल आरोपियों के नाम फिलहाल सामने नहीं आए हैं। पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो घायल

तालबेहट। झरर घाट से खांदी की ओर जा रहे बाइक सवार दो युवकों को जीओ पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। खांदी वीआईपी निवासी चम्पा ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति मोतीलाल पुत्र जानकी अपने साथी जगभान पुत्र रतन के साथ 29 जुलाई की रात करीब 7:30 बजे बाइक से झरर घाट से घर लौट रहे थे। जीओ पेट्रोल पंप के पास सामने से गलत दिशा में तेज गति से आ रही कार संख्या यूपी 93 बीआई 8602 ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मोतीलाल और जगभान बाइक समेत दूर जा गिरे। दोनों को गंभीर चोटें आईं, जबकि बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें झांसी रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

रेलवे स्टेशन पर 5 लीटर कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

» जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई
» प्लेटफार्म बदलकर भागने का प्रयास कर रहा था आरोपी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी प्लास्टिक की पिपिया में शराब लेकर रेलवे स्टेशन पर मौजूद था और पुलिस को देखकर प्लेटफार्म बदलकर भागने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जीआरपी थाना के उपनिरीक्षक राजेश सिंह पुलिस बल और आरपीएफ टीम के साथ मंगलवार 11 अगस्त 2026 की रात करीब 8.55 बजे रेलवे स्टेशन पर शांति व्यवस्था एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। टीम प्लेटफार्म नंबर एक पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति प्लास्टिक की पिपिया में अवैध शराब लेकर प्लेटफार्म नंबर एक के बीना एंड स्थित नेम बोर्ड के पास रेलवे पटरी के किनारे खड़ा है और कहीं जाने की फिराक में है।

सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम बताए गए स्थान की ओर रवाना हुई। पुलिस को अपनी ओर आता देखकर संदिग्ध व्यक्ति घबरा गया और रेलवे पटरी पार कर प्लेटफार्म नंबर 2/3 की ओर जाने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे एसएनटी बॉक्स के पास पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान थाना जखौरा के ग्राम सीरोन खुर्द और वर्तमान में मोहल्ला तालाबपुरा निवासी अविनाश कुशवाहा पुत्र गणपत कुशवाहा के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके दाहिने हाथ में मौजूद प्लास्टिक की पिपिया से करीब 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह शराब बेचकर अपना खर्च चलाता है और इसे बिक्री के लिए लेकर जा रहा था। जीआरपी ने बरामद शराब को मौके पर कब्जे में लेकर सील-मुहरबंद किया। परीक्षण के लिए शराब में से एक लीटर का नमूना अलग कर नमूना मुहर के साथ सुरक्षित किया गया। जीआरपी थाना में आरोपी के खिलाफ धारा 60(1) उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

अनियंत्रित जेसीबी ने बिजली के तार तोड़े

» करंट की चपेट में आकर दो भैंस और गाय की मौत
» तालबेहट के रजावन नहर के पास हादसा
» तीन दुधारू पशुओं की मौत से लाखों का नुकसान, ग्रामीण बाल-बाल बचे

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम रजावन नहर के पास मंगलवार शाम एक जेसीबी की लापरवाही से बिजली के तार टूट गए। तार टूटने के बाद जमीन और आसपास के क्षेत्र में फैले करंट की चपेट में आने से दो दुधारू भैंसों और एक दुधारू गाय की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पशु मालिकों को करीब 3.60 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। गनीमत रही कि आसपास मौजूद ग्रामीण करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। ग्राम रजावन निवासी राजेन्द्र सिंह पुत्र संतोष सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 11 अगस्त 2026 को शाम करीब पांच बजे वह अपनी दो दुधारू भैंसों को खेत से वापस घर लेकर आ रहे थे। इसी दौरान ग्राम रजावन नहर के पास सामने से एक नई जेसीबी आ रही थी। तहरीर के मुताबिक उक्त जेसीबी गुडडू दुबे के कुएं का पुरावन करने के बाद तालबेहट की ओर लौट रही थी। आरोप है कि जेसीबी चालक अनिल पाल ने वाहन को लापरवाही से चलाते हुए बिजली के तार में टक्कर मार दी, जिससे तार टूटकर नीचे गिर गए और उनमें प्रवाहित करंट फैल गया। राजेन्द्र सिंह के अनुसार बिजली के टूटे तारों से प्रवाहित करंट की चपेट में आने से उनकी दोनों दुधारू भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने दोनों भैंसों की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 10 हजार रुपये बताई है। इसी घटना में ग्राम निवासी रूपसिंह पुत्र नाथूराम यादव की एक दुधारू गाय भी करंट की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गाय की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। इस प्रकार तीन पशुओं की मौत से पशुपालकों को करीब 3 लाख 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ। बिजली के तार टूटने और करंट फैलने से मौके पर हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह खुद को करंट की चपेट में आने से बचाया। हादसे के बाद पशुपालकों में आक्रोश भी देखने को मिला। घटना के संबंध में राजेन्द्र सिंह की तहरीर पर थाना तालबेहट पुलिस ने जेसीबी चालक अनिल पाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 289 और 325 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर में जेसीबी के मालिक के रूप में जिला पंचायत सदस्य मानसिंह यादव का भी उल्लेख किया गया है।

आजादी के 78 साल बाद भी बच्चों के हिस्से में कीचड़, पक्की सड़क का इंतजार

सिंचाई विभाग की आपत्ति से अटका मार्ग निर्माण, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

जनहित दर्शन | महरौनी

आजादी के 78 साल बाद भी ग्राम पंचायत कुम्हेड़ी के बच्चों को स्कूल पहुंचने के लिए पक्की सड़क नसीब नहीं हो सकी है। विद्यालय तक जाने वाला मार्ग दलदल और कीचड़ से भरा होने के कारण छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान रास्ते की स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जिससे बच्चों को जोखिम उठाकर स्कूल जाना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार मार्ग में सिंचाई विभाग की नहर होने के कारण विभाग पक्का निर्माण नहीं होने दे रहा है, जिसके चलते सड़क निर्माण लंबे समय से अटका हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मामले का संज्ञान लेकर विद्यालय मार्ग को शीघ्र पक्का कराने तथा समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। साथ ही जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर बच्चों को कीचड़ और दलदल से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत आज ललितपुर में जिला की निकली तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारतीय जनता पार्टी के उच्च नेतृत्व के निर्देश पर गुरुबार को हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत नगर में जिले की तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा तुवन मन्दिर प्रांगण से शुरू होकर तहसील तिराहे, घंटाघर ,सावरकर चौक ,कारसदेव मन्दिर, नामदेव मन्दिर होकर पुनः तुवन प्रांगण मैदान में जाकर समाप्त हुई। ललितपुर में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत के नेतृत्व में एवं सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एड के संयोजन में हर घर तिरंगा यात्रा धूमधाम से निकाली गई।इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ, नगरवासियों, छात्र छात्राओं पूर्व सेनिकों, किसान, मजदूर, व्यापारियों बुद्धिजीवियों , युवाओं, चिकित्सकों की भी सहभागिता रही। इस अवसर सब लोग कन्धे से ऊपर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराते, मस्ती में नारे लगाते और देशभक्ति के गीत गाते हुए डी जे के साथ चल रहे थे । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कहा कि यह अभियान उच्च नेतृत्व के निर्देश पर आम जन को राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत करने के लिए चलाया जा रहा है, जो पन्द्रह अगस्त तक चलने बाला है । इस बार हम लोग अस्सीवां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं और हम लोगों का प्रयास इस बार हर आमजन को हर घर तिरंगा,घर घर तिरंगा के माध्यम से देशभक्ति की धारा में प्रवाहित करना हैं। समापन के बाद जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत,सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एड, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन, नगर पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन, सहकारी बैंक अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह एंड, पूर्व जिला अध्यक्ष गण प्रेमचंद कुर्मी,जगदीश सिंह लोधी एड, प्रदीप चौबे, हरीराम निरंजन, बब्बू राजा बुंदेला, पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा, जिला महामंत्री गौरव गौतम, हरीराम सिंह लोधी एड, कार्यक्रम संयोजक रुचिका बुन्देला, सहसंयोजक ध्रुव सिंह सिसौदिया, देवेन्द्र सिंह बरौदिया, अंकुर शानू बाबा,रामेश्वर प्रसाद सड़ैया, रजनी अहिरवार, गन्धर्व सिंह लोधी बाबूजी,डा राजकुमार जैन,मुन्ना लाल सैदपुर, भागीरथ बरुआ, डा स्वाधीनता कृष्ण, सहकारी बैंक उपाध्यक्ष श्रीकांत कुशवाहा, ,डा रामगोपाल साहू, मोहिनी रजक,चन्द्रशेखर पंथ, मुन्ना लाल सैदपर,महेंद्र मयूर, अनिल अंचल,संतोष कुशवाहा,डा एस पी पाठक जिला उपाध्यक्ष अरविंद कौशिक,अवतार सिंह लोधी एड, रमेश कुमार कुशवाहा नझाई,रजनी घनश्याम साहू,पूजा रैकवार,संगीता सोनी,आशा कौशिक

एम एल सी प्रतिनिधि केदार नाथ तिवारी, हरी सिंह बुंदेला, क्षेत्रीय मोर्चा उपाध्यक्ष गण अजय पटैरिया, हरिओम निरंजन,धर्मेंद्र पाठक,जिला कोषाध्यक्ष मनीष सड़ैया,जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र गुरु, प्रभाकर शर्मा जिला मंत्री दीपक पाराशर, ध्रुव सिंह सिसौदिया, सोनाली बबेले, सुनीता पंथ श्रीमती लक्ष्मी रावत,रुपेश साहू, कमलापति रिछारिया, हरीराम सिलगन,अजय नायक सिंदवाहा,भगत सिंह राठौर, नरेंद्र कड़ंकी, मोहनलाल रैकवार, दिनेश गोस्वामी एड, जिला पंचायत सदस्य मानसिंह खैरा,रामू कुशवाहा,ब्लाक प्रमुख कल्याण सिंह लोधी, मोर्चा अध्यक्ष गण श्रीमती लक्ष्मी रावत, सुरेश टोंटे, सुरेन्द्र प्रताप रजक,मधु अगरिया, ममता राजपूत, कृष्णा सिंह बुंदेला,नीरजा जैन,गुणमाला जी, डा अजय जैन, भीष्म प्रताप सिंह बुंदेला,मनोज खटीक एड,,देवेन्द्र सिंह बरौदिया,आशीष हुड्डैत, धनराज यादव,सोनू पाठक, बसंती लारिया,अनुरागेन्द्र सिंह बुंदेला, गजेन्द्र सिंह बुंदेला, चन्द्रभान करमरा, मनविंदर कौर, गिरजा शंकर दुबे,सुनील मिश्रा,कल्लन कुशवाहा,प्रकाश कुशवाहा ,राम मड़वारी विलास पटैरिया,डा दीपक चौबे,पंकज जैन, पंकज पार्षद, प्रियंका लोधी, पार्वती खटीक, अमरदीप रजक,किंजल्क हुड्डैत, अब्दुल नासिर मंसूरी, आनन्द देवलिया, आशीष कौशिक, विनोद मिश्रा, हरेंद्र प्रताप सिंह बुंदेला,, राजेश लिटौरिया, कल्लन कुशवाहा, डा सुधीर जैन ,

पवन जैन शिवाजी, श्याम बिहारी कौशिक, धर्मेंद्र प्रधान आलापुर,विजय कुंआतला, प्रदीप खटीक,के पी सिंह बुंदेला, सचिन साहू, संदीप सिंह बुंदेला, अरविंद सिंघई, दीपक मिश्रा, अरुण तिवारी, शिवम पाराशर, विशाल रावत, जगदीश लोधी,सोनसिंह कक्का, बृजेन्द्र राजपूत, अनिल जैन बबड़ी,जगभान सिंह राजपूत, अनमोल पाठक, सोमेश गुप्ता, नसीमुद्दीन बाबा, अभिषेक सोनी आदि उपस्थित रहे ।

दहेज हत्या के मामले में 50 वर्षीय महिला गिरफ्तार

मड़ावरा पुलिस ने कार्रवाई कर वांछित अभियुक्ता को पकड़ा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रही एक महिला को मड़ावरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार महिला की पहचान ग्राम रजौला निवासी जानकी पत्नी रागवीर लोधी के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद अभियुक्ता को न्यायालय के समक्ष पेश किया। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। एएसपी कालू सिंह व सीओ मड़ावरा ए.के.अग्रहरि के पर्यवेक्षण में मड़ावरा थाना पुलिस ने वांछित अभियुक्ता की गिरफ्तारी की। 25 मई 2026 को वादी की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर थाना मड़ावरा में मुकदमा बीएनएस की धारा 85, 118(2), 80(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान उक्त मुकदमे में जानकी पत्नी रागवीर लोधी वांछित चल रही थी। अभियुक्ता की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कल्याण सिंह तथा रिजर्व महिला कांस्टेबल सपना, थाना मड़ावरा, जनपद ललितपुर शामिल रहीं।

संक्षिप्त खबरें

14 अगस्त को लगेगा रोजगार मेला, 160 पदों पर भर्ती का अवसर

ललितपुर। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से 14 अगस्त की सुबह जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा अलग-अलग पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में अन्य कंपनियों के भी प्रतिभाग करने की संभावना है। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। जिले के सभी इच्छुक युवक-युवतियां विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी लेने और साक्षात्कार में शामिल होने के लिए मेले में पहुंच सकते हैं। साक्षात्कार एवं रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर जॉबसीकर के रूप में अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन के बाद अभ्यर्थी रोजगार मेले में निर्धारित समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। जिला सेवायोजन कार्यालय ने अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण चेतावनी भी जारी की है। कार्यालय के माध्यम से आयोजित होने वाले रोजगार मेलों में कंपनियों की चयन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क होती है। अभ्यर्थियों से नियुक्ति से पहले अथवा बाद में किसी भी प्रकार की धनराशि या सिक्योरिटी डिपॉजिट की मांग नहीं की जाती है।

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर का 388वां जन्मोत्सव मनाया

ललितपुर। जिला राठौर क्षेत्रीय समाज के तत्वावधान में एक मैरिज गार्डन में राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर का 388वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, नपाध्यक्ष सोनाली जैन और प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले रहे। अध्यक्षता राठौर क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर राठौर ने की। अतिथियों ने राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके देश एवं समाज हित में किए गए योगदान को याद किया। सदर विधायक ने समाज से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने बताया कि राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का कार्य प्रगति पर है और जल्द ही अनावरण किया जाएगा।

बच्चों और युवाओं को नशे से बचाने के लिए ड्रग हॉटस्पॉट पर होगी सख्त कार्रवाई

» एनसीओआरडी समिति की बैठक में बनी कार्ययोजना

» स्कूल-कॉलेजों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर विशेष निगरानी के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और नशे के सेवन पर प्रभावी रोक लगाने के साथ ही बच्चों एवं युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए प्रशासन ने कार्रवाई तेज करने की तैयारी की है। बुधवार को 13 अगस्त 2026 को जनपद स्तरीय एनसीओआरडी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एडीएम व एएसपी ने संयुक्त रूप से की। बैठक में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन, भंडारण एवं सेवन की रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही नशे से प्रभावित लोगों के उपचार, काउंसलिंग और पुनर्वास को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में बच्चों और किशोरों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को लेकर चिंता जताई गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि विद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री अथवा उपलब्धता पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। ऐसे व्यक्तियों और स्थानों को चिन्हित करने पर विशेष जोर दिया गया, जहां बच्चों एवं युवाओं को नशीले पदार्थ उपलब्ध कराए जाने की आशंका हो। ऐसे मामलों में निगरानी बढ़ाने के साथ ही दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में ड्रग हॉटस्पॉट चिन्हित कर पुलिस, आबकारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, औषधि और अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। नशीली दवाओं और अन्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन, भंडारण एवं आपूर्ति श्रृंखला पर कार्रवाई करते हुए उनके स्रोत तक पहुंचने का प्रयास करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर सूचनाओं का आदान-प्रदान करने तथा आवश्यकता के अनुसार संयुक्त अभियान चलाने के लिए भी निर्देशित किया। बच्चों और किशोरों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, संवाद और काउंसलिंग आयोजित करने पर जोर दिया गया। शिक्षा विभाग को नशे के खिलाफ विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रभावी गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नशे की लत से प्रभावित लोगों को केवल प्रवर्तन की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। जरूरत के अनुसार ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें उपचार, काउंसलिंग और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों से जोड़ने की व्यवस्था की जाए। जनपद में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों की उपलब्धता एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा करने तथा जरूरतमंद लोगों को उपचार और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास करने के निर्देश भी दिए गए। समिति की बैठक में पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आबकारी विभाग, औषधि विभाग/ड्रग इंस्पेक्टर, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग/जिला विद्यालय निरीक्षक तथा परिवहन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। एडीएम, एएसपी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि नशे के विरुद्ध अभियान को किसी एक विभाग तक सीमित न रखा जाए, बल्कि टीमवर्क एवं एनसीओआरडी समिति की भावना से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के साथ जन-जागरूकता, उपचार और पुनर्वास पर भी समान रूप से ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

सालों से रुके कार्य आखिरकार पूरे

राजघाट बांध परियोजना में अधिकारियों की मुस्तैदी से बढ़ी पर्यटन की राह

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राजघाट बांध परियोजना के अंतर्गत लंबे समय से लंबित पड़े विकास कार्यों को आखिरकार अधिकारियों के कुशल प्रबंधन और तत्परता से पूरा कर लिया गया है। सिंचाई विभाग और परियोजना से जुड़े उच्च अधिकारियों के विशेष प्रयासों से अब इस क्षेत्र में पर्यटन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। राजघाट बांध परियोजना के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए हैं, जिनमें मेसनरी बांध का कायाकल्प भी शामिल है। लगभग 26 वर्षों से लंबित पड़े मेसनरी बांध के गेटों और पीयर्स की पुताई का कार्य अधिकारियों ने अपनी देखरेख में प्राथमिकता के साथ पूरा करवाया। बांध की कार्यप्रणाली को आधुनिक और सुचारू बनाने के लिए स्काडा सिस्टम का कार्य सफलतापूर्वक स्थापित कराया गया। मेसनरी बांध के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में पैरापिट व मरम्मत के साथ-साथ पुताई का कार्य पूरा किया गया, जिससे बांध की सुरक्षा और सुंदरता दोनों बढ़ी है। अर्थ डैम के आउट फाल ड्रेन, टो ड्रेन एवं पैरापिट की आवश्यक मरम्मत और पुताई का कार्य संपन्न कराया गया। कई वर्षों से उपेक्षित पड़े चन्दरी नाले की व्यापक साफ-सफाई का कार्य अधिकारियों ने योजनाबद्ध तरीके से पूरा कराया, जिससे जलभराव की समस्या का अंत हुआ। यू.आर.सी., एल.आर.सी. एवं एल.बी.सी. नहरों की विशेष मरम्मत के साथ-साथ उनके गेटों की पुताई आदि का कार्य पूरा कर पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। संबंधित अधिकारियों के अनुसार, इन सभी कार्यों के पूरे होने से न केवल बांध की तकनीकी क्षमता मजबूत हुई है, बल्कि पर्यटकों के लिए भी यह क्षेत्र अब और अधिक आकर्षक और सुरक्षित बन गया है। सालों से अटके इन कार्यों को रिकॉर्ड समय में पूरा कराने के लिए विभाग के शीर्ष अधिकारियों की कार्यशैली की हर तरफ सराहना हो रही है।

101 खेल मैदानों का लक्ष्य, 90 प्रस्ताव मिले

एक सितंबर से शुरू होगा निर्माण

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम-2025 के संबंध में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला स्तरीय पंच सम्मेलन का आयोजन कल्याण सिंह सभागार में किया गया। सम्मेलन में योजना के प्रावधानों, ग्रामीण विकास, जल संरक्षण, कृषि कार्यों और खेल मैदानों के निर्माण को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, जिलाधिकारी सत्यप्रकाश, उपायुक्त श्रम-रोजगार रमेश कुमार यादव, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह सहित सभी ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान, सचिव, ग्राम रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, एपीओ एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। जिला प्रशिक्षण अधिकारी कमल किशोर ने 73वें संविधान संशोधन के संबंध में ग्राम प्रधानों एवं अन्य प्रतिभागियों को जानकारी दी।

उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका और ग्राम स्तर पर विकास कार्यों के प्रभावी संचालन के बारे में बताया। इसके बाद लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता पवन कुमार ने कैच द रेन अभियान एवं जल संरक्षण के विषय में जानकारी दी। उन्होंने वर्षा जल संचयन, सोक पिट, जलाशय और चेकडैम निर्माण के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल संवर्धन पर जोर दिया। डीपीआरओ कुंवरसिंह यादव ने ग्राम पंचायतों में कार्ययोजना तैयार कर उसे पोर्टल पर अपलोड करने तथा उपलब्ध धनराशि के अनुसार प्राक्कलन तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने खेल मैदानों के प्रस्तावों को विकसित भारत-जी राम जी योजना एवं ग्राम पंचायत निधि के साथ कन्वर्जेंस के माध्यम से पूरा कराने पर भी जोर दिया। जिला कृषि अधिकारी रंजीत चौरसिया ने किसानों को सूखे से बचाव तथा कृषि कार्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी उमेश चंद्र झा ने विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत कराए जा सकने वाले 318 प्रकार के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने योजना के तहत कृषि मौसम के दौरान निर्धारित अवधि में कार्य निलंबन के प्रावधानों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उपायुक्त श्रम-रोजगार रमेश कुमार यादव ने विकसित भारत-जी राम जी योजना और मनरेगा के बीच अंतर, दोनों योजनाओं के प्रावधानों तथा ग्रामीण क्षेत्र में इनके माध्यम से कराए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से समझाया। सदर विधायक ने विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत ग्रामीण अवस्थापना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने ग्राम प्रधानों से कहा कि गांव में किसी विकास कार्य के लिए धनराशि की आवश्यकता हो तो उसका प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवश्यक विकास कार्य कराए जा सकें। जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने सम्मेलन में बताया कि जनपद में 1 सितंबर 2026 से 101 खेल मैदानों का निर्माण शुरू कराने का लक्ष्य रखा गया है। इन खेल मैदानों को विकसित भारत-जी राम जी योजना एवं ग्राम निधि के कन्वर्जेंस से तैयार कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले की ग्राम पंचायतों से अब तक 90 खेल मैदानों के निर्माण के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। शेष ग्राम पंचायतों से भी जल्द प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 101 खेल मैदानों का निर्माण शुरू कराया जा सके। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जिन स्थानों पर खेल मैदानों के लिए भूमि पर कब्जे से संबंधित मामले सामने आए हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया गया है। उन्होंने ग्राम प्रधानों एवं संबंधित अधिकारियों से विकास कार्यों को गति देने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। सम्मेलन के माध्यम से ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और कर्मचारियों को विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम-2025 के प्रावधानों की जानकारी देने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, जल संरक्षण, कृषि, खेल एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की मौत, पति घायल

ललितपुर। थाना बानपुर के ग्राम खिरिया छतारा निवासी भगवत कुशवाहा ने बताया कि उनका पुत्र दीपक कुशवाहा अपनी पत्नी भारती कुशवाहा का इलाज कराने के लिए मोटरसाइकिल संख्या यूपी 94 ए.के. 4088 से जिला चिकित्सालय आ रहा था। बताया गया कि 10 अगस्त 2026 को सुबह करीब 10 बजे दोनों खिरका हाईवे को पार कर रहे थे। इसी दौरान सागर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही और तेजी से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और उस पर सवार दीपक व उसकी पत्नी भारती गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से दोनों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने भारती कुशवाहा को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल दीपक का उपचार कराया गया। तहरीर में बताया गया कि भारती की मौत के बाद परिवार अंतिम संस्कार की तैयारियों में व्यस्त था, जिसके चलते तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई जा सकी। इसके बाद 12 अगस्त 2026 को भगवत कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 125(बी), 106, 324(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

गलत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

ललितपुर। तालबेहट के ग्राम खांदी वीआईपी श्रीमती चम्पा पत्नी मोतीलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति मोतीलाल अपने साथी जगभान पुत्र रतन के साथ 29 जुलाई 2026 की रात करीब 7.30 बजे मोटरसाइकिल से झरर घाट की ओर से अपने घर खांदी आ रहे थे। बताया गया कि दोनों अपनी साइड से चल रहे थे। इसी दौरान जियो पेट्रोल पंप के पास सामने से गलत दिशा में तेज रफ्तार से आ रहे चार पहिया वाहन संख्या यूपी 93 बीआई 8602 के चालक ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार मोतीलाल और उनके साथी जगभान सड़क पर दूर जा गिरे। दोनों को गंभीर चोटें आईं, जबकि मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद चार पहिया वाहन चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर कर दिया। घटना के संबंध में श्रीमती चम्पा की तहरीर पर थाना तालबेहट पुलिस ने वाहन संख्या यूपी 93 बीआई 8602 के अज्ञात चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(बी) और 324(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

न्यायालय परिसर में गवाही देने पहुंचे व्यक्ति से मारपीट, धमकाया

ललितपुर। जिला न्यायालय परिसर में गवाही देने पहुंचे एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने एक डॉक्टर पर रास्ता रोककर गाली-गलौज, मारपीट करने और मुकदमे में गवाही न देने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हितेन्द्र कुमार जैन ने डा.पीयूष जैन के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में मुकदमा दर्ज करा रखा है। इसी मामले में 6 अगस्त 2026 को हितेन्द्र के बयान होने थे। आरोप है कि उनके बयान की जानकारी डा.पीयूष जैन को हो गई थी। हितेन्द्र कुमार जैन का आरोप है कि 6 अगस्त को दोपहर करीब 1.30 बजे वह जिला न्यायालय परिसर की पार्किंग के पास मौजूद थे। इसी दौरान डा.पीयूष जैन ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए मुकदमे में गवाही देने से मना किया और राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपी ने हितेन्द्र के साथ थप्पड़ और घूंसों से मारपीट की। धक्का देने के दौरान वह पास खड़ी एक मोटरसाइकिल पर गिर गए। शोर सुनकर न्यायालय परिसर में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भी गाली-गलौज और धमकी दी गई। घटना के बाद हितेन्द्र कुमार जैन ने कोतवाली ललितपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुकदमा वापस लेने का दबाव, धमकी से सहमा पीड़ित परिवार

» ससुर की हत्या के मामले में आरोपियों पर राजीनामा के लिए दबाव बनाने का आरोप

» बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ा, एसपी से सुरक्षा और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली क्षेत्र के सिद्दनपुरा क्षेत्र के रहने वाले पिता-पुत्र पर हुये प्राणघातक हमले में जहां एक ओर पिता की उपचार के दौरान मौत हो गयी थी, तो वहीं उनका पुत्र जिन्दगी और मौत के बीच जूझ रहा है। इधर घटना को लेकर पुलिस ने नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर हमलावरों को पकड़ा भी है। अब प्रकरण को लेकर हमलावरों की ओर से राजीनामा करने का दबाव बनाते हुये परिवार व बच्चों को जान से मारने की धमकी लगातार दिये जाने का आरोप प्रकाश में आया है। इस सम्बन्ध में पीड़ित परिवार ने एसपी से मामले में जांच करायी जाकर पीड़ित परिवार को सुरक्षा दिये जाने की मांग उठायी है। धमकियों के चलते परिवार में दहशत का माहौल है और बच्चे स्कूल तक नहीं जा पा रहे हैं।

सिद्धनपुरा निवासी किरण पत्नी कृपाल यादव ने बताया कि बीती 28 जुलाई 2026 को उनके ससुर घनश्याम यादव, पति कृष्णपाल यादव और सास गुडडीबाई पर कुछ लोगों ने घातक हथियारों से हमला कर दिया था। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से तीनों के साथ मारपीट की। हमले में घनश्याम यादव की मौत हो गई, जबकि कृष्णपाल यादव और गुडडी बाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ललितपुर से झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के संबंध में थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मुकदमे में इन्दल सिंह यादव, पुष्पेन्द्र यादव, प्रमान यादव, चंचल अहिरवार, दीपक यादव, सनत परिहार, राजराजा सहित अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि आरोपी इन्दल सिंह यादव के परिवार के कुछ सदस्य उनके मकान के आसपास ही रहते हैं और लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। आरोप है कि उन्हें धमकी दी जा रही है कि यदि मुकदमे में राजीनामा नहीं किया गया तो जेल से बाहर आने के बाद परिवार के अन्य सदस्यों और बच्चों के साथ भी वही किया जाएगा, जो घनश्याम यादव के साथ हुआ।

पीड़िता का कहना है कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण पूरा परिवार भयभीत है। बच्चों में भी डर का माहौल है, जिसके चलते वे स्कूल जाने से भी डर रहे हैं। यह भी आरोप लगाया है कि मुकदमे में नामजद कुछ आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इनमें पुष्पेन्द्र यादव, सनत परिहार, चंचल अहिरवार और रतिभान के नाम शामिल किए गए हैं। महिला का आरोप है कि रतिभान और सनत परिहार खुलेआम घूम रहे हैं और परिवार को लगातार धमकियां दे रहे हैं। पीड़िता ने रतिभान पर आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति होने तथा उसके विरुद्ध पूर्व में भी कई गंभीर मामले दर्ज होने का आरोप लगाया है। यह भी कहना है कि उसके पास घटना से संबंधित ऐसा वीडियो उपलब्ध है, जिसमें घनश्याम यादव पर हमला करने वाला व्यक्ति दिखाई दे रहा है। पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विवेचक को आवश्यक निर्देश देकर शेष आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कराने, परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा धमकी देने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बाल तस्करी, बालश्रम और मानव तस्करी रोकने को लेकर पुलिस की मासिक कार्यशाला

एएचटी और एसजेपीयू की समीक्षा बैठक में पॉक्सो-जे. जे. एक्ट

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने, मानव तस्करी, बाल तस्करी, बालश्रम और भिक्षावृत्ति की रोकथाम के साथ ही पॉक्सो एवं किशोर न्याय अधिनियम से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग एवं एसजेपीयू की मासिक समन्वय गोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी/नोडल अधिकारी कालू सिंह की उपस्थिति और पर्यवेक्षण में आयोजित हुई। बैठक में थाना एएचटी, एसजेपीयू तथा जनपद के सभी थानों में तैनात बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम-2015 तथा महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी एसओपी के संबंध में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बच्चों से संबंधित विशेष रेस्क्यू अभियान चलाने, बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति की रोकथाम, मानव तस्करी तथा अनैतिक देह व्यापार पर प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में गुमशुदा बालक एवं बालिकाओं की बरामदगी के बाद की जाने वाली कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया। बरामद बच्चों के मेडिकल परीक्षण, धारा 183 बीएनएस के अंतर्गत बयान तथा बाल कल्याण समिति के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बच्चों से संबंधित मामलों में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पूरी तरह पालन किया जाए और बाल कल्याण समिति को समय से सूचना एवं रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। कार्यशाला में पॉक्सो मामलों में पीड़िता के चिकित्सीय परीक्षण, बरामदगी के बाद संबंधित पॉक्सो सपोर्ट पर्सन को सूचना देने तथा विधि से संघर्षरत किशोरों से संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई पर भी चर्चा की गई। बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों और विवेचकों को अनुसंधान एवं अभियोजन के दौरान आने वाली समस्याओं तथा उनके समाधान के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।

भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

» देश की महामहिम राष्ट्रपति के नाम भेजा 9 सूत्रीय ज्ञापन

» भारत छोड़ो दिवस की 84वीं वर्षगांठ पर भाकियू ने उठाई किसानों की आवाज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारत छोड़ो दिवस की 84वीं वर्षगांठ एवं अगस्त क्रांति की स्मृति में भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसानों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। भाकियू प्रदेश महासचिव लाखन सिंह के नेतृत्व, जिलाध्यक्ष रंजीत, महामंत्री शब्बीर खां मंसूरी व कीरत बाबा के संयुक्त नेतृत्व में किसानों ने रैली निकालकर सरकार के समक्ष कृषि एवं किसान हितों से जुड़े मुद्दे उठाए। प्रदर्शन के बाद किसानों ने राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। किसान नेताओं ने कहा कि देश का किसान कृषि लागत में बढ़ोतरी, प्राकृतिक आपदाओं, कर्ज और बाजार से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में किसानों के हितों को प्रभावित करने वाले नीतिगत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी फैसलों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। किसानों ने ज्ञापन में भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते सहित किसानों के हितों के प्रतिकूल अन्य मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने की मांग प्रमुखता से उठाई। किसान नेताओं का कहना है कि ऐसे समझौतों से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की आशंका है। उन्होंने मांग की कि किसानों के हितों को ध्यान में रखे बिना किसी भी व्यापार समझौते को लागू न किया जाए। ज्ञापन में नौ सूत्रीय मांगों को भी दर्शाया गया। इस दौरान महामंत्री शब्बीर खां मंसूरी ने कहा कि वर्ष 2021 के किसान आंदोलन के बाद सरकार की ओर से किसानों को कई लिखित आश्वासन दिए गए थे, लेकिन उनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों में इसे लेकर गहरा आक्रोश है। किसान नेताओं के अनुसार यह राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान तथा केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के समर्थन में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से किसानों के साथ-साथ कृषि श्रमिकों, औद्योगिक श्रमिकों, ग्रामीण मजदूरों, आदिवासियों, कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को भी सरकार के समक्ष उठाया गया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष लाखनसिंह पटेल, रामकुमार, शब्बीर खां, राजपाल यादव, राजगोपाल पटेल, लक्ष्मीसिंह, मुकेश यादव, रामकिशन अहिरवार, रामविलास, सियाराम, रामेश्वर यादव और विद्याराम सहित बड़ी संख्या में किसान नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों ने सरकार से उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की।

प्रायोगिक परीक्षा में कथित वसूली को लेकर छात्रों का हंगामा, कॉलेज प्रशासन पर गंभीर आरोप

प्रत्येक परीक्षार्थी से 300 रुपये मांगने का आरोप, प्राचार्य ने कहा—बदनाम करने की साजिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज- अनुपलाल यादव कॉलेज में गुरुवार को स्नातक के चौथे सेमेस्टर का प्रेक्टिकल परीक्षा देने पहुंचे छात्र-छात्राओं ने कथित अवैध वसूली को लेकर हंगामा किया। साथ ही प्राचार्य कक्ष में बैठकर विरोध भी जताया। हालांकि बाद में हंगामा बढ़ते देख प्राचार्य के हस्तक्षेप के बाद छात्रों शांत हुए। छात्र छात्राओं ने कॉलेज के शिक्षकों पर प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर रुपये मांगने और राशि नहीं देने पर परीक्षा एवं अंक कम करने की धमकी देने का आरोप लगाया। हंगामे के दौरान छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए बीएनएमयू प्रशासन से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। वही प्रेक्टिकल देने आई उजमा प्रवीण,नेहा कुमारी,मौसम कुमारी,रितु कुमारी, अंकू कुमारी,सपना कुमारी,इशू राज,अशफाक आलम और शशिकांत कुमार आदि परीक्षार्थियों का आरोप हैं कि प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर प्रत्येक परीक्षार्थी से 300 रुपये की मांग किए जा रहे हैं। छात्रों का कहना है कि नामांकन के समय 600 रुपये तथा ट्यूशन फी के नाम पर भी 600 रुपये लिए जा चुके हैं। इसके बावजूद अब प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर अलग से राशि मांगी जा रही है। परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि गुरुवार सुबह 10 बजे परीक्षा देने कॉलेज पहुंचने पर उनसे कहा गया कि जब तक रुपये नहीं दोगे,तब तक परीक्षा नहीं देने दी जाएगी। छात्रों का आरोप था कि रुपये नहीं देने पर कम अंक देने,फेल करने की धमकी शिक्षकों के द्वारा कही गई। छात्रों का कहना है कि जब वे मामले को लेकर प्राचार्य के पास पहुंचे तो उन्होंने ऐसी किसी राशि की मांग से इनकार किया। इसके बाद छात्रों को दोपहर दो बजे से परीक्षा देने की बात कही गई। कई छात्राओं का आरोप है कि परीक्षा के दौरान शिक्षकों की ओर से उन पर दबाव बनाया जाता है तथा रुपये नहीं देने पर डांट-फटकार की जाती है। छात्रों का आरोप हैं कि होम साइंस विभाग के प्रायोगिक परीक्षा में खाना बनाने सहित अन्य कार्य का थीम के आधार पर अंक देने की बात कही गई। परिक्षार्थियों का कहना था कि एक तो नामांकन के समय सभी शुल्क प्रैक्टिकल,ट्यूशन फीस सब कुछ जमा लेने के बाद कॉलेज में क्लास नहीं होती है। आइसा छात्र नेता संतोष कुमार सियोटा ने कॉलेज प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि नामांकन और परीक्षा फॉर्म भरने के दौरान लिए जाने वाले शुल्क के अलावा छात्रों से सीआईए परीक्षा के नाम पर कथित रूप से एक हजार रुपये,प्रैक्टिकल के नाम पर 300 से 400 रुपये तथा इंटर्नशिप के नाम पर भी अवैध राशि ली जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि छात्रों से किसी मद में अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है तो कॉलेज उसकी रसीद नहीं देती है।

कहते है प्राचार्य

लगाए गए आरोप निराधार है, कुछ बच्चे हैं जो चाहते हैं कि किसी तरह से कॉलेज का माहौल कुछ खराब हो, अगर कहीं से भी इस तरह की दिक्कत परेशानी हुई होगी तो उसमें हम कोशिश किए हैं कि उसका निदान हो जाए,कॉलेज के हित को देखते हुए अगर किसी तरह की बात हुई है तो उसका हमने निदान किया है, जो भी कुछ निराधार बातें बताई जा रही है उसमें सच्चाई नहीं है।

डीएम के निरीक्षण में खुली स्कूल की व्यवस्था की पोल, हेडमास्टर व शिक्षिका निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज। नगर परिषद क्षेत्र स्थित मध्य विद्यालय दपरखा में बुधवार को जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान सामने आई गंभीर अनियमितताओं के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकुमार और सहायक शिक्षिका सरिता कुमारी को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई के अधीन किया गया है। बताया गया कि जिलाधिकारी सावन कुमार ने बुधवार को मध्य विद्यालय दपरखा का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान सहायक शिक्षिका सरिता कुमारी के 17 जुलाई 2026 से अनधिकृत रूप से विद्यालय से अनुपस्थित रहने की जानकारी सामने आई। ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उनकी उपस्थिति की समीक्षा में भी कई तिथियों पर अनुपस्थिति पाई गई। साथ ही जनवरी से मार्च 2026 के बीच कई दिनों में सुबह 10 बजे के बाद विलंब से उपस्थिति दर्ज किए जाने की बात सामने आई। जारी आदेश में कहा गया है कि प्रथम दृष्टया शिक्षिका का कृत्य कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, शिक्षण कार्य में रुचि नहीं लेने, स्वेच्छाचारिता तथा उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना से संबंधित प्रतीत होता है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध सरकारी आवंटन के विरुद्ध कराए गए कार्य भी असंतोषजनक पाए गए। विद्यालय की पठन-पाठन व्यवस्था अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिली, जबकि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। इन आरोपों को प्रथम दृष्टया सत्य पाए जाने के बाद बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 के तहत शिक्षिका सरिता कुमारी को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई के अधीन किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, पिपरा निर्धारित किया गया है। वहीं, विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकुमार के विरुद्ध भी कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, मध्याह्न भोजन योजना में अनियमितता, विद्यालय संचालन में विभागीय नियमों एवं मानकों का पालन नहीं करने, स्वेच्छाचारिता तथा उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना जैसे आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। इसके बाद उन्हें भी निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई के अधीन किया गया है। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में दोनों शिक्षकों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। दोनों के विरुद्ध आरोप पत्र अलग से जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के बाद शिक्षा विभाग की कार्रवाई से क्षेत्र के विद्यालयों में हड़कंप मचा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

अभियान के तहत सड़क किनारे खड़े 202 वाहनों पर यातायात पुलिस की कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 202 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गो के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

कक्षा 6 की छात्रा ने नगर आयुक्त को लिखा पत्र, बच्चों के साथ कभी भी हो सकता है हादसा

कानपुर। हीरालाल पटेल इंटरनेशनल स्कूल जरौली फेस 2 की छात्रा अंशिका सोनी ने नगर आयुक्त कानपुर को पत्र लिखकर जरौली मैन रोड पर जहां पर कई स्कूल हैं उनके छात्रों की रोड सेफ्टी के लिए कदम उठाने की मांग की है। अंशिका सोनी ने नगर आयुक्त को व्हाट्सएप पर पत्र भेजा है जिसमें बताया गया है कि हीरालाल पटेल इंटरनेशनल स्कूल जरौली फेस 2 में जब छात्र जाते हैं और जब छुट्टी होती है तब अत्यधिक भीड़ रहती है और उस रोड पर वाहन बड़ी तेज गति से निकलते हैं ऐसे में हादसा होने का खतरा बना रहता है। स्कूल के पास न तो कोई स्पीड ब्रेकर है और न ही कोई साइन बोर्ड लगा है जिससे वाहनों की गति धीमी हो सके। छात्रा अंशिका सोनी ने नगर आयुक्त से प्रार्थना करते हुए मांग की है कि हमारे स्कूल के 100 मीटर पहले और बाद में: स्कूल का साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर व जेब्रा क्रॉसिंग लगवाई जाए ताकि बच्चों की सुरक्षा हो सके। लेकिन छात्रा को अभी तक नगर आयुक्त का जवाब नहीं मिला है न ही कोई आश्वासन मिला है।

साइबर हेल्प डेस्क ने लौटाए 12,435 रुपये

भदोही। साइबर हेल्प डेस्क थाना चौरी की त्वरित कार्रवाई से साइबर ठगी के दो पीड़ितों की कुल 12,435 रुपये की धनराशि वापस कराई गई। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देश पर साइबर हेल्प डेस्क ने एनसीआरपी पोर्टल और संबंधित बैंकिंग संस्थानों से समन्वय कर कार्रवाई की। चौरी थाना क्षेत्र के जोगीपुर निवासी चंद्रभूषण अभयराज सिंह के 9,857 रुपये और वेदमनपुर निवासी रोशीलाकांत दुबे के 2,578 रुपये साइबर ठगी के जरिए खातों से निकल गए थे। शिकायत मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों की पूरी धनराशि वापस करा दी।

हजारीबाग युवा कांग्रेस का हुंकार, वकीलों, पत्रकारों व आम नागरिकों से अभद्र व्यवहार का जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- हजारीबाग बंद के दौरान वकीलों, पत्रकारों एवं आम नागरिकों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किए जाने के विरोध में युवा कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाया है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मो जबीर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिकों के सम्मान की रक्षा के लिए मजबूती से खड़ी रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी भी नागरिक, पत्रकार या अधिवक्ता के साथ अपमानजनक व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। जिला अध्यक्ष मो जबीर ने कहा कि बंद के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा वकीलों, पत्रकारों एवं आम नागरिकों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन लोकतांत्रिक मर्यादा और नागरिकों के सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। युवा कांग्रेस हजारीबाग इस तरह के व्यवहार का पुरजोर विरोध करती है और भाजपा से अपने कार्यकर्ताओं के आचरण को लेकर जवाब मांगती है। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सह हजारीबाग जिला सह प्रभारी गुलाम मुन्तक़ा ने कहा कि भाजपा के बंद के दौरान जिस तरह वकीलों, पत्रकारों और आम नागरिकों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया, वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस किसी भी तरह की गुंडागर्दी, दबाव और अभद्रता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाना और नागरिकों के सम्मान की रक्षा करना युवा कांग्रेस की प्राथमिकता है। लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है और राजनीतिक दलों को भी विरोध के दौरान संयम एवं मर्यादा का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस जिला महासचिव दानिश अहमद, जिला मीडिया प्रभारी सह सदर प्रखंड अध्यक्ष मो. शाबान रज़ा, सदर विधानसभा अध्यक्ष माशूक रज़ा, जिला महासचिव तथागत विजित, कटकमसांडी प्रखंड अध्यक्ष आसिफ रज़ा, शिबू, अनश, बरकट्ठा विधानसभा अध्यक्ष संगीता कुमारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोलाजोड़ा पंचायत में AIMIM का जनसंपर्क अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंड:- ऑल इंडिया मजलिस- ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी जनाब अकिल अख्तर के निर्देशानुसार, पाकुड़ जिला अध्यक्ष शमसाद आलम के नेतृत्व में कोलाजोड़ा पंचायत में कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिला अध्यक्ष ने पंचायत क्षेत्र के लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। साथ ही पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में लोगों से संवाद किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष याफोस अली एवं जिला सचिव एनी रोज मुर्मू भी मौजूद रहीं। नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ संगठन को पंचायत स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, नए लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा सदस्यता अभियान एवं जनसंपर्क कार्यक्रम को तेज करने को लेकर विस्तृत चर्चा की। जिला अध्यक्ष मो. शम्साद आलम ने कहा कि ढ्रस्ढ्ढरू का उद्देश्य संगठन को केवल कागजों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि गांव-गांव और पंचायत-पंचायत तक सक्रिय संगठन तैयार करना है। इसके लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चलाकर आम जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पाकुड़ जिले के विभिन्न पंचायतों में इसी तरह जनसंपर्क अभियान, सदस्यता अभियान एवं संगठन विस्तार का कार्यक्रम लगातार जारी रहेगा। अधिक से अधिक सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़कर AIMIM को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। AIMIM पाकुड़ जिला कमेटी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ संगठन के विस्तार में अपनी भूमिका निभाएं तथा आम जनता के बीच पार्टी की नीतियों एवं विचारों को पहुंचाएं।

नारायणपुर में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- देश के 79 वें स्वतंत्रता दिवस के पूर्व गुरुवार को भाजपा प्रखंड कमेटी के तत्वावधान में अग्रसेन भवन नारायणपुर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा अग्रसेन भवन नारायणपुर से आरंभ होकर नारायणपुर बाजार, बस स्टैंड मोड होते हुए पबिया तक गई। इस अवसर पर भारत माता की जय, इनकलाब जिंदाबाद आदि के उद्घोष भी लगाए जा रहे थे। मौके पर उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में तिरंगा यात्रा निकाली गई है। यह यात्रा आपसी भाईचारगी को मजबूत करने के लिए और देश के वीर सपूतों को नमन करने के लिए निकल गई है। देश को आजादी दिलाने में शहीद हुए भारत के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर जिला महामंत्री कमलेश मंडल,मंडल अध्यक्ष बलदेव हांसदा, आनंद पोद्दार, जावेद अंसारी, संजय मंडल, शुक्र राय, दिनेश पांडे आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युवा साथी झारखंड लगाएगा रक्तदान शिविर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- स्वतंत्रता दिवस के विशेष अवसर पर सामाजिक एवं जनसेवा संस्था युवा साथी झारखंड की ओर से 15 अगस्त 2026 को बरही प्रखंड परिसर में 7वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आम लोगों को नियमित रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन, प्रसव अथवा अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में समय पर रक्त उपलब्ध होना किसी व्यक्ति के जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह जनसेवा अभियान आयोजित किया जा रहा है। युवा साथी झारखंड ने आम नागरिकों, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा सभी स्वस्थ एवं योग्य व्यक्तियों से इस शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। संस्था के सदस्यों ने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन देने का अवसर भी है।

स्वतंत्रता दिवस देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर है। ऐसे में रक्तदान जैसे मानवीय कार्य के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई जा सकती है। संस्था ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति के साथ मानवता की सेवा का संकल्प लें और रक्तदान कर किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में अपना योगदान दें। युवा साथी झारखंड ने सभी योग्य रक्तदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने और इस जनसेवा अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया है। रक्तदान शिविर 15 अगस्त 2026 स्थान पूर्वी पंचायत भवन, बरही प्रखंड परिसर, बरही, हजारीबाग में लगेगा।

एसआइआर को लेकर अधिकारियों की हुई बैठक

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- एसआइआर को लेकर गुरुवार को नारायणपुर सीओ देवराज गुप्ता के कार्यालय कक्ष में पर्यवेक्षकों की बैठक हुई। बैठक में बीडीओ कमलेश कुमार दास भी उपस्थित थे। बैठक में कहा गया कि प्रथम फेज में गणना प्रपत्र का डिजिटाइजेशन हुआ। दूसरे फेज में दावा आपती, नो वेटिंग पर चर्चा हुई। कहा गया कि वोटरों विसंगती के अनुसार डोकोमेंट देना है। कई वोटरों के नाम भी अलग अलग है, एक अभिभावक के साथ नाम है, मां बाप एक है परंतु उम्र का अंतर दिख रहा है। आगे कैसे कार्य करना है इस पर चर्चा हुई। बैठक में बीडीओ सीओ ने कहा कि मिलकर कार्य करना है, ताकि समय रहते मामलों का निपटारा हो सके। इस अवसर पर एजीएम जयदेव मुर्मू, अमरेंद्र झा, राजेंद्र प्रसाद सिंह, सुचिता मरांडी, बादल मंडल, लखीराम भंडारी, पूजा माझी, प्रदीप रजक आदि उपस्थित थे।

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी में देशभक्ति के रंग में रंगा BSF का भव्य बाइक रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम के हर जिले के साथ-साथ श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी में भी: 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने और आम लोगों में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पाथारकांदी में सीमा सुरक्षा बल क्च्स्स्न की ओर से भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित लक्ष्मीपुर बीएसएफ कैंप और दोहालीया 15वीं बटालियन बीएसएफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली में 50 से अधिक बीएसएफ जवानों ने हिस्सा लिया। दोहालीया बीएसएफ कैंप से तिरंगा झंडे से सजी बाइकों के साथ रैली शुरू हुई। देशभक्ति गीतों से गूंजते वातावरण में जवानों ने करीब 10 किलोमीटर की दूरी तय की। रैली दोहालीया कैंप से निकलकर पाथारकांदी शहर के विभिन्न इलाकों से होते हुए लक्ष्मीपुर स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा के बीएसएफ बीओपी कैंप पहुंची। रैली को देखते हुए पाथारकांदी प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक नियंत्रण की विशेष व्यवस्था की गई। प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से रैली शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, 8 से 16 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इस बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली के समापन के बाद बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थानीय छात्र-छात्राओं के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। साथ ही आम लोगों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बीएसएफ जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इस अवसर पर सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के साथ बीएसएफ के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने का संदेश दिया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ। इस अवसर पर आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाने के लिए आम लोगों से आह्वान किया गया।

सराहनीय पहल : हर घर तिरंगा अभियान के तहत हजारीबाग यूथ विंग ने किया तिरंगा वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत 151 तिरंगा झंडों का निःशुल्क वितरण किया। अभियान की शुरुआत महेश सोनी चौक से की गई, जहां संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साह के साथ लोगों के बीच तिरंगा वितरित किया और स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। हजारीबाग यूथ विंग पिछले पांच वर्षों से धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा समय-समय पर जनसेवा, सामाजिक जागरूकता एवं देशभक्ति से जुड़े अभियानों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने का प्रयास किया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान भी इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस पर अपने घर पर तिरंगा फहराना देश के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक सुंदर माध्यम है।

ऐसे अभियानों से समाज में राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत होती है और युवा पीढ़ी को देश की स्वतंत्रता के महत्व एवं उसके लिए दिए गए बलिदानों से परिचित होने का अवसर मिलता है। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज देश की आजादी के साथ-साथ एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। हर घर में तिरंगा फहराने का उद्देश्य केवल ध्वज को घर तक पहुंचाना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति गौरव और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करना है। स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मनाते हुए प्रत्येक नागरिक को इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने भी हजारीबाग यूथ विंग की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से स्वतंत्रता दिवस की भावना घर-घर तक पहुंचती है। अभियान के माध्यम से संस्था ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन,उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, संस्था के मार्गदर्शक जय प्रकाश खण्डेलवाल,कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, राजेश जैन, समाजसेवी बजरंग अग्रवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंड:- उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में पठन-पाठन की स्थिति, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, विभागीय कार्रवाई, सेवा संपुष्टि, स्थानांतरण, पाठ्यपुस्तकों के वितरण सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने शिक्षकों के सेवा संपुष्टि से संबंधित सभी लंबित मामलों को शीघ्र प्रेषित करने, सर्विस बुक का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करने तथा विभागीय कार्रवाई से जुड़े मामलों का तय समय-सीमा के भीतर निष्पादन करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उन्होंने परीक्ष्यमान समाहर्ता सुश्री पूर्वा अग्रवाल को किसी भी प्रखंड का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था के सभी पहलुओं की जांच करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी उच्च विद्यालयों के परीक्षा परिणामों में सुधार लाने हेतु आवश्यक कदम उठाने तथा विद्यार्थियों की नियमित टेस्ट परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे मध्यान्ह भोजन की नियमित जांच एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों में धारा प्रवाह पढ़ने-लिखने की क्षमता तथा बुनियादी विषयों की समझ विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया कि कक्षा 1 से 8 तक में 10 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत एवं कक्षा 9 से 12 तक में 6 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया नियमानुसार प्रारंभ की जाए। बैठक के दौरान शिक्षा विभाग की स्थापना शाखा से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। आरोप-पत्र विधिवत प्रेषित नहीं किए जाने पर उपायुक्त ने कटकमसांडी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही स्थापना विभाग को शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों को आरोप-पत्र तैयार करने की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित नियमों की जानकारी देने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारी को यह प्रमाणित नहीं किया जाता कि शिक्षकों की सेवा संपुष्टि से संबंधित कोई मामला शेष नहीं है, तब तक किसी भी शिक्षक की सेवा संपुष्टि पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने 25 अगस्त 2026 तक सेवा संपुष्टि के सभी शेष मामलों को प्रेषित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी निर्धारित स्कूल ड्रेस में ही विद्यालय आएं तथा शिक्षक भी ड्रेस कोड का अनिवार्य रूप से पालन करें। बैठक में उपायुक्त हेमन्त सती उपस्थित थे।

अरुणाचली उपद्रवियों की 48 घंटे में गिरफ्तारी की मांग, टीएमपीके ने मंत्री के साथ बैठक में उठाया मुद्दा

48 घंटे की अंदर अरुणाचली उपद्रवियों को गिरफ्तारी के मांग टीएमपीके

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। गत 10 तारीख कोअसम-अरुणाचल बॉर्डर पर धेमाजी जिले के गोगामुख के मिंगमांग बदती में बॉर्डर के मुद्दे पर अरुणाचल के उपद्रवियों ने कई असमी लोगों को गोली मार दी, जिसमें वे गंभीर रूप से 11लोग घायल हो गई थी। इस कांड के खिलाफ़ असम के धेमाजी जिला एक्य मंच सहित टीमपिके ने 12 अगस्त को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे धेमाजी जिला बंद एवं अरुणाचली उपद्रवियों को गिरफ्तारी के मांग में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ आर्थिक अवरुद्ध किया था। घटनाओं को मद्दनजर रखते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ हीमंता बिस्वा शर्मा ने माहौल का जायजा लेने ओर परिस्थितियों को शांत के लिए धेमाजी जिला के विधायक एवं मंत्री रणुज पेगू ओर जिला के अभिभावक मंत्री अतुल बोरा को धेमाजी में टी एम पी के के साथ बैठक कर परिस्थितियों को नियंत्रण में लाने लिए के निर्देश दिया था। आज जिला आयुक कार्यालय में दोपहर को एक बैठक किया गया बैठक में टी एम पी के की तरफ से कई मांगे रखे गए जिसमें मुख्यत जिन आरोपों पर मुक़दमा दर्ज कराया गया है उन चार उपद्रवियों को 48 घंटे की अंदर गिरफ्तार की मांग किया। बैठक में टी एम पी के की तरफ से इए स्पष्ट किया कि अरुणाचल के लोगों के खिलाफ टी एम पी के की कोई दुश्मनी या हिंसा नहीं है, जिन लोगों ने असम के लोगों के उपर हमला किया उन के लिए इए प्रदर्शन। दूसरी ओर मंत्री अतुल बोरा ने बैठक के बाद मीडिया को दिए अपनी ब्यान में कहा बैठक सफल रहा दोनों राज्य के सचिव स्तर पर चर्चा चल रही है जितने जल्दी हो सके परिस्थितियों को हम नियंत्रण में लाने की प्रयास करेंगे। इंटर-स्टेट बॉर्डर इलाकों में शांति, सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने और यह पक्का करने के लिए,र से सक्रिय सहयोग की कामना की असम और अरुणाचल प्रदेश के लोगों के बीच दोस्ताना रिश्ते किसी भी हालत में खराब न हों इस पर लोगों को ध्यान देने की भी अपील किया। बैठक में सीसीबरगांव के विधायक जीवन गोगोई, धेमाजी जिला आयुक्त जावीर राहुल सुरेश, डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस सुधाकर सिंह, सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस शप्रकाश सोनवाल के साथ जिला प्रशासन को अधिकारियों ने भाग लिया।

लिकाबाली में पत्थरबाजी TMPK के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने चलाई गोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिलापथार। असम-अरुणाचल बॉर्डर पर धेमाजी जिले के गोगामुख जिले के मिंगमांग बदती में बॉर्डर के मुद्दे पर 10 अगस्त को अरुणाचल के उपद्रवियों ने लोगों मरने पर कई असमिया लोगों सेगंभीर रूप से घायल हो गई थी । इस घटना के बाद पूरे राज्य में प्रतिक्रिया हो रही थी। लोगों के बीच सवाल उठ रहे हैं। असम-अरुणाचल बॉर्डर का मुद्दा कब सुलझेगा जो पिछले कई सालों से नहीं सुलझ पाया किसी भी सरकार ने दोनों सरकारें असम की सीमा पर लोगों की जान और रोजी-रोटी पर ध्यान देकर सुरक्षा कब पक्की करेंगी TMPK ने मिंगमांग बदती घटना के दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर आर्थिक रोड ब्लॉकेड भी किया है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री की ओर से भी आश्वासन दिया गया था। इस घटना की उचित जांच और समाधान के लिए विशेष कदम उठाने का। टीएमपीके आज दोपहर 12 बजे असम के मंत्रियों अतुल बोरा और रानोज़ पेगु के साथ बातचीत करने वाला था। इस दौरान टीएमपीके के सदस्यों ने आज सुबह लिकाबाली में आर्थिक सड़क को अवरुद्ध कर रहे थे। उसी समय अरुणाचल प्रदेश के निवासियों ने आर्थिक सड़क अवरोध में शामिल लोगों पर बार-बार पत्थर फेंके। अरुणाचल पुलिस ने पीड़ितों पर गोलियां भी चलाई। इस मुद्दे को लेकर काफी विवाद हुए । विरोध प्रदर्शन लिकाबाली में 12वीं असम बटालियन कैंप के सामने किया गया। यहां तक कि प्रदर्शनकारियों की ओर से असम पुलिस पर भी हमला किया गया। कई प्रदर्शनकारियों के घायल होने की खबर है। अबतक सीमांत लिकाबली में तनाव की माहौल है।

हालांकि दोनों सरकारों ने इस मुद्दे पर भरोसा और बातचीत से ज़ोर दिया है, लेकिन यह ज़रूर चिंता की बात है कि अरुणाचल के लोगों की हिंसा के बाद यह मुद्दा फिर से कैसे आगे बढ़ेगा।

मतदान जागरूकता कार्यक्रम में भाषण, प्रश्नोत्तरी व पोस्टर प्रतियोगिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा- डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर बठिंडा राजेश धीमान के गाइडलाइंस और स्ठरूबठिंडा एस. अमनदीप सिंह मावी की लीडरशिप में, SWEEP टीम बठिंडा (अर्बन)-92 ने DAV कॉलेज बठिंडा में वोटर अवेयरनेस प्रोग्राम किया। इस मौके पर गुरबख्श लाल ने वोटिंग की इंपॉर्टेंस, नए वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए फॉर्म-6 और वोटर डिटेल्स में अमेंडमेंट के लिए फॉर्म-8 के इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये फॉर्म घर बैठे मोबाइल फोन से ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी भरे जा सकते हैं। स्टूडेंट्स में डेमोक्रेसी के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए, 'डेमोक्रेसी में वोटिंग की इंपॉर्टेंस' टॉपिक पर क्विज़ कॉम्पिटिशन के अलावा, SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) सब्जेक्ट पर एक पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटिशन भी किया गया। अलग-अलग कॉम्पिटिशन के विनर्स को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन और मेडल देकर भी सम्मानित किया गया। इस दौरान जॉनी सिंगला और सुभाष चंद ने स्टूडेंट्स को ECINET ऐप के इस्तेमाल और उसकी अहमियत के बारे में डिटेल में जानकारी दी। इस मौके पर स्कूल हेड-कम-ELC इंचार्ज पवनदीप जी का खास सपोर्ट रहा, ताकि यह इवेंट सफल हो सके। इस मौके पर SWEEP टीम के मेंबर दीपक कुमार, राम उजागर मौजूद थे।

वार्ड 34 में 25 एचपी के नए ट्यूबवेल का उद्घाटन, पेयजल संकट से मिलेगी राहत

लुधियाना। ग्यासपुर के वार्ड नंबर 34 में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या को दूर करने के लिए मोहल्ला गगन नगर में 25 एचपी क्षमता के नए ट्यूबवेल का उद्घाटन किया गया। क्षेत्रीय पार्षद राजेश मिश्रा ने ट्यूबवेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा नेता निर्मल सिंह एसएस भी मौजूद रहे। पार्षद राजेश मिश्रा ने कहा कि गर्मी और बिजली संकट के बीच क्षेत्र के लोग लंबे समय से पेयजल की समस्या से परेशान थे। लोगों की समस्या को देखते हुए नए ट्यूबवेल की स्थापना कराई गई है। इसके शुरू होने से गगन नगर, न्यू गगन नगर, पाखर कॉलोनी, अजीत सिंह कॉलोनी और गुरु नानक नगर के निवासियों को पेयजल संकट से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। पानी की समस्या को देखते हुए क्षेत्र में दो और नए ट्यूबवेल प्रस्तावित हैं, जिनका जल्द शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए वादों को हरसंभव पूरा किया जाएगा। पेयजल, सड़क, सीवरेज और सफाई उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा को लेकर डीजीपी गौरव यादव ने फिरोजपुर, फरीदकोट व बठिंडा रेंज का लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा/फिरोजपुर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर स्वतंत्रता दिवस-2026 की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने लगातार तीसरे दिन फिरोजपुर और बठिंडा रेंज का दौरा किया। उन्होंने दोनों रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। डीजीपी ने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को गश्त बढ़ाने, निगरानी मजबूत करने, निवारक कार्रवाई करने, भीड़ प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसी भी चुनौती से निपटने के लिए त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए। फिरोजपुर में डीजीपी ने फिरोजपुर और फरीदकोट रेंज की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान फिरोजपुर, तरनतारन, फाजिल्का, फरीदकोट, मुक्तसर साहिब और मोगा जिलों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने तलवंडी भाई स्थित उच्च तकनीक जांच चौकी का भी निरीक्षण किया। इसके बाद बठिंडा पहुंचकर डीजीपी ने बठिंडा रेंज के अधिकारियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए पुलिस व्यवस्था, बल की तैनाती, समारोह स्थलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों पर चर्चा की गई।

2.75 करोड़ से बने नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन

तकनीकी पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए डीजीपी गौरव यादव ने बठिंडा पुलिस के 2.75 करोड़ रुपये की लागत से तैयार अत्याधुनिक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन भी किया। उन्होंने बताया कि केंद्र में 112 आपातकालीन सेवा के माध्यम से त्वरित प्रतिक्रिया, शहर के 59 प्रमुख स्थानों पर लगे 282 कैमरों से निगरानी, वायरलेस संपर्क, वीडियो विश्लेषण और अपराध की वास्तविक समय में निगरानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि नया नियंत्रण केंद्र बठिंडा पुलिस की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ अपराध नियंत्रण और आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस स्वतंत्रता दिवस समारोह को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सक्रिय और जनकेंद्रित पुलिसिंग पर जोर दिया, ताकि लोग पूरे आत्मविश्वास और गर्व के साथ राष्ट्रीय पर्व मना सकें। बैठक में आईजी फरीदकोट रेंज नीलांबरी जगदाले, डीआईजी बठिंडा रेंज हरजीत सिंह, डीआईजी फिरोजपुर रेंज स्नेहदीप शर्मा समेत संबंधित जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

सलिल विश्नोई ने किया व डॉ महेंद्र सिंह ने किया क्रिकेट बाक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

कानपुर। आज विधायक सलिल विश्नोई की विधायक विकास निधि से फूलबाग में निर्मित अत्याधुनिक क्रिकेट बाक्स में 13 से 15 अगस्त तक आयोजित आर्यनगर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेन्ट का उद्घाटन उ0प्र0 के पूर्व कैबिनेट मंत्री एव भाजपा म0प्र0 के प्रभारी डा0 महेन्द्र सिंह ने किया तथा बाक्स में क्रिकेट खेलकर आनन्द भी उठाया। इस अवसर पर विधायक सलिल विश्नोई के साथ विधायक सुरेन्द्र मैथानी, क्रिकेट टीमों सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

श्रीभूमि के दुल्लभछड़ा में वीर टिकेंद्रजीत का 135 वां शहीद दिवस श्रद्धा से मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः स्वतंत्रता सेनानी वीर टिकेंद्रजीत का 135वां शहीद दिवस 13 अगस्त गुरुवार को श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा के समीप दरगारबंद में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। दरगारबंद डेवलपमेंट कमेटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में संगोष्ठी, कविता पाठ, साहित्यिक प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत दरगारबंद गांव स्थित वीर टिकेंद्रजीत की स्थायी प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर और पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद स्थानीय मणिपुरी समुदाय के बुजुर्गों और युवाओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ दुल्लभछड़ा की प्रमुख सड़कों पर मार्च निकाला। 13 अगस्त 1891 को ब्रिटिश शासन के खिलाफ मणिपुर के प्रतिरोध आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वीर टिकेंद्रजीत और जनरल थांगल को फांसी दी गई थी। उनके बलिदान की स्मृति में हर वर्ष 13 अगस्त को मणिपुर सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाला मणिपुरी समुदाय इस दिन को 'पैट्रियट्स डे' यानी देशभक्त दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वीर टिकेंद्रजीत के देशप्रेम, साहस और बलिदान की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वीर टिकेंद्रजीत का संघर्ष और बलिदान मणिपुरी समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनकी विचारधारा और देशभक्ति की भावना को नई पीढ़ी में आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मणिपुरी साहित्य परिषद, असम के उपाध्यक्ष कोयजम स्वपन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी तथा दरगारबंद डेवलपमेंट कमेटी के अध्यक्ष फानजौबम खाम्बातोल ने की। इस अवसर पर AAMSU केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष फानजौबम साबिकुमार भी उपस्थित रहे। सम्मानित अतिथियों में मणिपुरी साहित्य परिषद, श्रीभूमि जिला के अध्यक्ष लामाबम बीरेंद्र, आइबा अपुनबा लूप जरीबन के अध्यक्ष पुखाम्बम ननी तथा WMC करीमगंज जिला समिति के अध्यक्ष बीर लैश्रम शामिल थे। कार्यक्रम के समग्र आयोजन की जिम्मेदारी दरगारबंद डेवलपमेंट कमेटी के सचिव मैत्रम बिजेन सिंह ने संभाली। कार्यक्रम में मणिपुरी समुदाय के बुजुर्गों एवं युवाओं के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसआईआर-2026 की तैयारियों की सीईओ ने की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब अनिंदिता मित्रा, आईएएस ने राज्यभर के बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के साथ बैठक कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर)- 2026 के आगामी चरण की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को पुनरीक्षण के अगले चरण में अपनाई जाने वाली प्रमुख प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र स्तर पर होने वाली सभी गतिविधियां निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सही और व्यवस्थित ढंग से पूरी की जाएं। बैठक में बीएलओ ने क्षेत्र स्तर पर सामने आ रही समस्याओं और मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य से जुड़ी अपनी चिंताओं को भी साझा किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय और समयबद्ध कार्रवाई पर जोर दिया। अनिंदिता मित्रा ने बीएलओ से आगामी चरण के लिए पूरी तरह तैयार रहने तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक पात्र मतदाता को आवश्यक सहायता मिले। उन्होंने कहा कि बीएलओ क्षेत्र स्तर पर निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि हैं और मतदाता सूची को व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाने में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग का उद्देश्य पूरे पंजाब में एसआईआर-2026 की प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू करना है। आगामी चरण को देखते हुए बीएलओ को सतर्क और तत्पर रहते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस लाइन मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल, डीसी और एसएसपी ने लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर।15 अगस्त को स्थानीय पुलिस लाइन मैदान में होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। उपायुक्त आशिका जैन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मलिक ने रिहर्सल का जायजा लिया। समारोह के दौरान पंजाब के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। रिहर्सल के दौरान उपायुक्त आशिका जैन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया। परेड कमांडर डीएसपी कुलवंत सिंह के नेतृत्व में जिला पुलिस, पीआरटीसी जहानखेलां महिला पुलिस, जिला महिला पुलिस, पंजाब होमगार्ड, 12 पंजाब बटालियन एनसीसी, गर्ल्स गाइड, सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेलवे मंडी, स्काउट्स, स्कूल ऑफ एमिनेंस खवासपुरहिरां, पीआरटीसी जहानखेलां और पुलिस लाइन के संयुक्त बैंड ने सलामी दी। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने सामूहिक पीटी प्रदर्शन, सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने गिद्दा और भांगड़ा की शानदार प्रस्तुति भी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशभक्ति का जज्बा साफ दिखाई दिया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। उपायुक्त ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के परिवारों, विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं को सम्मानित करेंगे। फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियां पूरी लगन और गंभीरता से निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के लोगों से स्वतंत्रता दिवस समारोह में पूरे उत्साह के साथ शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 79 वर्ष पूरे होना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। इस राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त (विकास) राकेश कुमार मीणा, अतिरिक्त उपायुक्त (सामान्य) निधि कुमुद बंबाह, नगर निगम आयुक्त ज्योति बाला मट्टू, सहायक आयुक्त (सामान्य) सुमित मुध, एसडीएम परमप्रीत सिंह, आरटीओ अमनदीप कौर घुमन, एसपी नवनीत कौर, एसपी मनप्रीत शिमर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने बठिंडा में कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने बठिंडा जिले का दौरा कर जिला प्रशासनिक परिसर में अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में युवाओं के रोजगार एवं कौशल विकास, बुजुर्गों के कल्याण, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्मा योजना, पॉक्सो मामलों, नमस्ते योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कानूनगो ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी या असहजता का सामना न करना पड़े। अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ना प्रशासन की जिम्मेदारी है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग देश के प्रत्येक नागरिक के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आयोग की ओर से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए विभिन्न जिलों का दौरा किया जा रहा है। इससे पहले कानूनगो ने भुच्चो और रामपुरा फूल का दौरा किया। भुच्चो में उन्होंने करीब 100 परिवारों से मुलाकात की और जिला प्रशासन को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इन परिवारों के लिए आवास निर्माण की स्थिति पर 10 दिन के भीतर आयोग को रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। रामपुरा फूल में मृत पशुओं के संग्रह की व्यवस्था के संबंध में भी उन्होंने जिला प्रशासन को एक माह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त (सामान्य) कंचन, अतिरिक्त उपायुक्त (शहरी विकास) गुरप्रीत सिंह थिंड, नगर निगम आयुक्त लवजीत कलसी, सहायक आयुक्त गुरजिंदर पाल सिंह, एसडीएम बठिंडा अमनदीप सिंह मावी, जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी अभिनव सहित पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।